अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 132 लखनऊ, बुधवार, 26 नवम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

मोदी आज करेंगे सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया सुविधा केंद्र का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हैदराबाद में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) सुविधा केंद्र का उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक सूचना के अनुसार श्री मोदी सुबह 10 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जीएमआर एयरोस्पेस और औद्योगिक पार्क में इस सुविधा की शुरुआत करेंगे। एसएईएसआई, एलईएपी एयरबस ए320एनईओ और बोइंग 737 एमएएक्स विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले एलईएपी (लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन) इंजनों के लिए सफ्रान की समर्पित रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल-एमआरओ सुविधा है।

पांच देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति मुर्मु को परिचय पत्र सौंपे

नई दिल्ली। पांच देशों लेबनान, मॉरीशस, सेनेगल, सऊदी अरब और घाना के राजनयिकों ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र सौंपे। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में श्रीमती मुर्मु ने लेबनान, मॉरीशस, सेनेगल, सऊदी अरब और घाना के राजनयिकों के परिचय पत्र स्वीकार किए। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वाले राजनयिकों में लेबनान के राजदूत हादी जाबेर, मॉरीशस की उच्चायुक्त श्रीमती शीलाबाई बप्पू, सेनेगल के राजदूत अब्दुलाय बरी, सऊदी अरब के राजदूत हेथम हसन अल-मलकी और घाना के राजदूत प्रोफ़ेसर क्वासी ओबिरी-डांसो शामिल हैं।

उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ वाइको की याचिका पर चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एमडीएमके संस्थापक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद वाइको के निर्वाचन आयोग के तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा और मामले को अगली सुनवाई के लिए दो दिसंबर को सूचीबद्ध कर दिया। श्री वाइको ने दलील दी है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की अधिसूचना असंवैधानिक है।

भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके रहूँगा : मोदी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर किया ध्वजारोहण, आकर्षक सज्जा और जयकारे की गूंज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर औपचारिक रूप से धर्म ध्वज फहराया और कहा कि भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके ही रहेंगे। इस दौरान उन्होंने राम के अस्तित्व को नकारने वालों को भी निशाने पर लिया। श्री मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे। ऐतिहासिक ध्वजारोहण से ठीक पहले शेषावतार मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं संपूर्ण विश्व के करोड़ों राम भक्तों को इस अविस्मरणीय क्षण की इस अद्वितीय अवसर की शुभकामनाएं देता हूं।

श्री मोदी ने कहा, ''मैं आज उन सभी भक्तों को भी प्रणाम करता हूं हर उस दानवीर को भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपना सहयोग दिया। मैं राम मंदिर निर्माण से जुड़े हर श्रमवीर, हर कारीगर, हर योजनाकार, हर वास्तुकार का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आने वाली सदियां और सहस्र शताब्दियों तक ये धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, ये धर्म ध्वज आह्वान करेगा कि सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं। ये धर्म ध्वज उद्घोष करेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है। सत्य में ही धर्म स्थापित है। ये धर्म धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए यानी जो कहा वही किया जाए।

श्री मोदी ने कहा, ''आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत और विश्व राममय है । हर राम भक्त के हृदय में अपार अलौकिक आनंद है. सदियों के घाव भर रहे हैं। आज सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमें जनता के सुखों को सर्वोपरि रखकर आगे बढ़ना है। पांच सौ वर्षों का सपना साकार हुआ है। आने वाले 1000 वर्षों की नीव को मजबूत करना है। श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनने के लिए राम के आदर्शों को जीना होगा।

उन्होंने कहा कि जब हम अपनी जड़ों से कट जाते हैं तो सारा वैभव समाप्त हो जाता है। गौरतलब है कि 10 फुट ऊंचे और 20 फुट लंबे समकोण वाले तिकोने ध्वज पर एक चमकते सूरज की तस्वीर है, जो भगवान श्री राम की चमक और वीरता का प्रतीक है, और इस पर कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ '?' लिखा है। श्री मोदी ने अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 55 मिनट पर ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री ने जो धर्म ध्वज फहराया वो राम मंदिर के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है।

500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं लेकिन आस्था अडिग रही : योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण समारोह में अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही समूचा मंदिर परिसर जय-जयकार से गूंज उठा। आजु सफल तपु तीरथ त्यागू। आजु सुफल जप जोग बिरागू। सफल सकल सुभ साधन साजू। राम तुम्हहि अवलोकत आजू। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है।

आज सदियों के घाव भर गए, सदियों का संकल्प सिद्धि को प्राप्त हुआ: भागवत

अयोध्या, 25 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्मध्वज फहराने को ऐतिहासिक बताया है और कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। राम मंदिर के निर्माण के लिए न जाने कितने लोगों ने प्राण न्योछावर

बिहार को एआई हब बनाने की तैयारी

एजेंसी

पटना। नई सरकार के गठन के बाद मंगलवार को पहली मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य में 'बिहार आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन' को स्थापित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुये मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गयी। मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरांत पारित किये गये प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत

ने दी।मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि बिहार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिये 'बिहार आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन' की स्थापना की जा रही है। एआई सामाजिक और आर्थिक रूप से एक परिवर्तनकारी तकनीक बन चुका है,

- मंत्रिपरिषद ने 'बिहार आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन' को दी मंजूरी

इसलिये शोध, नवाचार और अग्रणी उद्योगों के सहयोग से बिहार को इस क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इससे राज्य के सामाजिक, आर्थिक और क्षेत्रीय प्रगति को नई गति मिलेगी। बिहार सरकार एआई के क्षेत्र में शोध, नवाचार, प्रशिक्षण और उद्योग सहयोग को बढ़ाते हुये राज्य को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रमुख केंद्र बनाना चाहती है, जिससे विकास की नई संभावनायें खुलें और जनता को बेहतर सेवायें मिल सके।

मुख्य सचिव ने पारित प्रस्तावों की जानकारी देते हुये बताया कि बिहार में 25 नयी चीनी मिलें खोली जायेंगी। पहले से 9 चीनी मिल बंद पडी हैं। पारित प्रस्ताव के तहत राज्य में नये चीनी मिलों की स्थापना और पुराने बंद पड़े चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने से जुड़े नीति निर्धारण और कार्य योजना के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।

एसआईआर फ़ेज-2 : 12 राज्यों में 99.16 फीसदी फॉर्म वितरित

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 12 राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) फ़ेजऽ2 के तहत 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक देशभर में मतदाता-विशेष इनोमरेशन फॉर्म (ईएफ) के वितरण और डिजिटाइजेशन का डेटा देते हुए चुनाव आयोग ने बताया कि मंगलवार तक 50.54 करोड़ फॉर्म (99.16 फीसदी) वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 28.71 करोड़ फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है, जो 56.34 फीसदी है। चुनाव आयोग के अनुसार अंडमान-निकोबार, गोवा और लक्षद्वीप में ईएफ वितरण शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है, जबकि मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल डिजिटाइजेशन के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हैं।

आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार लक्षद्वीप में डिजिटाइजेशन 99.33 फीसदी के साथ लगभग पूर्ण हो चुका है। गुजरात में ईएफ वितरण 99.73 फीसदी, मध्य प्रदेश में 99.85 फीसदी, राजस्थान में 99.53 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 99.64 फीसदी दर्ज किया गया है। तमिलनाडु में यह आंकड़ा 96.65 फीसदी और केरल में 97.53 फीसदी रहा है। पुड्डुचेरी में वितरण 95.94 फीसदी तक पहुंचा है। डिजिटाइजेशन में मध्य प्रदेश 72.73 फीसदी, गुजरात 67.75 फीसदी, पश्चिम बंगाल 70.14 फीसदी, राजस्थान 78.39 फीसदी और गोवा 82.67 फीसदी के साथ अग्रणी राज्यों में है। उत्तर प्रदेश (34.03 फीसदी) और केरल (35.90 फीसदी) में डिजिटाइजेशन अपेक्षाकृत धीमा रहा है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 10 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटने का अनुमान

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग का अनुमान है कि राज्य की मतदाता सूची से 10 लाख से अधिक नाम हटाए जाएंगे। यह अनुमान दोस्तरीय अधिकारियों द्वारा संकलित और बीएलओ ऐप पर अपलोड किए गए प्रपत्रों के प्रारम्भिक मूल्यांकन के आधार पर लगाया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि हटाए जाने वाले नामों में मृत मतदाता, दोहरी प्रविष्टियां, अन्य राज्यों में स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके मतदाता तथा लापता अथवा अनुपलब्ध मतदाता शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार, मृत मतदाताओं की श्रेणी में सबसे अधिक, लगभग छह लाख 50 हज़ार प्रविष्टियां हटाई जाएंगी। सूत्रों ने कहा कि प्रपत्रों के संकलन और उन्हें बीएलओ ऐप पर अपलोड करने की प्रक्रिया जारी है, इसलिए सटीक आंकड़ा आयोग द्वारा मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद ही स्पष्ट होगा। मसौदा सूची नौ दिसम्बर को जारी की जाएगी।

सरयू, अयोध्या, सनातन सब धन्य हो गये

- अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला के मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण के साथ रामराज्य का शुभारंभ
- संतों ने कहा, आज से हिंदू राष्ट्र की स्थापना हो गई, अयोध्या का गौरव वापस लौट आया
- 500 सालों की प्रतीक्षा का सुखद अंत, भाव विभोर हो गए रामनगरी में जुटे सभी साधु-संत
- अपना संकल्प पूरा होते देख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हुए भाव विभोर, आंखें छलक आयीं

अभयानंद शुक्ल, समन्वय सम्पादक

लखनऊ/अयोध्या। मंगलवार को सनातनियों के लिए मंगल दिवस रहा। पुण्य सलिला सरयू मैया भी भाव विभोर होकर प्रसन्नता से झूम रही थीं। उनकी लहरें विशेष रूप से हिलोरें ले रही थीं, क्योंकि उनकी भी वर्षों पुरानी गरिमा वापस लौट रही थी। साथ ही उनका पुराना वैभव नवीनता की सूरत में आकार ले रहा था। और प्रसन्न तो अयोध्या नगरी की माटी, हवाएं और मठ-मंदिर भी थे, जिनको अब सनातन की ऊष्मा का आभास होने लगा था। साधु-संत और नगरवासियों की प्रसन्नता का भी कोई ठिकाना नहीं था। धर्मध्वज फहराने आए पीएम नरेंद्र मोदी तो अपने वर्षों पुराने संकल्प को साकार होते देख इतने भाव विभोर थे कि प्रणाम की मुद्रा में जुड़े उनके दोनों हाथ कांप रहे थे, और आंखें भी छलछला आई थीं। कुल मिलाकर

श्रीराम मंदिर के शिखर पर पूर्णता का ध्वजारोहण

मंदिर की पूर्णता का यह समारोह भारत में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना का संदेश लेकर आया। इस पर संतों ने नारा लगाया कि बोलो जय सियाराम, अब पूरा हो गया काम।

राम की नगरी अयोध्या में सीताराम विवाह पंचमी के दिन आयोजित श्रीराम मंदिर धर्म ध्वजा आरोहण समारोह भव्यता-दिव्यता के साथ सम्पन्न हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने संयुक्त रूप से श्री राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना का शुभ कार्य शुभ मुहूर्त में सम्पन्न किया। इस अवसर पर पतित पावनी सरयू मैया एक बार फिर आल्हादित हो गई थी, इस कारण कि उसका राम राज्य वापस लौट रहा था। प्रभु श्री राम के महल पर धर्म ध्वजा की स्थापना हो रही थी। सरयू मैया कुछ अलग वेग से उछल रही थी। उसकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं था। इसके साथ ही अयोध्या नगर भी नवीनता के साथ अपनी पुरातन की परंपरा को जी रही थी। धर्म ध्वजा जैसे-जैसे अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी वैसे-वैसे लोगों की आंखों से आंसू गिर रहे थे। लोगों ने कहा कि आज सचमुच रामराज की स्थापना हो रही है, धर्म की स्थापना हो रही है और भारत हिंदू राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। भाव विभोर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी थे क्योंकि उनका वर्षों पुराना संकल्प संपूर्णता को प्राप्त हो रहा था। 1992 में जब उन्होंने अयोध्या छोड़ा था, तभी यह संकल्प लिया था कि जब अयोध्या में राम मंदिर का रास्ता साफ होगा तभी वे यहां आएंगे। और आज उसी राममंदिर की संपूर्णता का दिन था। ऐसे में आंखों से आंसू गिरना तो स्वाभाविक था।

यहां पर आए संतों ने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में राम मंदिर पूर्णता को प्राप्त हुआ है, उसी प्रकार हम उम्मीद करते हैं कि काशी विश्वनाथ में भी भोले नाथ को भी उनका सही स्थान मिल जाएगा। संतों ने इस मौके पर कहा कि अंत में निकला ये परिणाम, राम से बड़ा राम का नाम। उन्होंने नारा भी लगाया कि पूरा हो गया काम, अब बोलो जय सियाराम। पूर्व सांसद व महंत रामविलास दास वेदांती ने कहा कि धर्म ध्वजा की स्थापना के साथ ही भारत में राम राज्य की स्थापना हुई है और भारत हिंदू राष्ट्र भी बन गया, और भगवा ध्वज लहराना इस बात को प्रतीक है। सभी संतों ने भी शंख ध्वनि के साथ यह घोषणा की कि आज से भारत हिंदू राष्ट्र हो गया, रामराज्य स्थापना हो गई।

ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि ये ध्वजारोहण 500 वर्षों से हमारे अंदर जल रही प्रतीक्षा की अग्नि की पूर्णाहुति का दिन है। आज संपूर्ण भारत वासियों के घाव भर रहे होंगे। पीएम ने कहा कि ये सत्य की जीत है और भारतीय सभ्यता के पुनर्ज़ागरण का प्रतीक है। और सत्य में ही धर्म स्थापित है। उन्होंने फिर घोषणा की कि 2047 तक हम विकसित भारत का निर्माण करेंगे, क्योंकि अब हमें आने वाले कल के बारे में सोचना है। और इसके लिए राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के बारे में हमें यह बताया गया था कि ये विदेशी संविधान की नकल है, जबकि भारत तो लोकतंत्र की जननी है। अब इसी गुलामी की मानसिकता का अंत हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने तो प्रभु श्रीराम को काल्पनिक घोषित करने की कोशिश की थी, किंतु ये सनातन की ताकत है जो राम को मिटने नहीं देगा। हम आने वाले 10 सालों में बाकी बची मानसिक गुलामी से भी मुक्ति पा लेंगे। मोदी ने कहा कि यह धर्म ध्वजा सत्यमेव जयते की भावना की स्थापना करेगी। पीएम ने संबोधन के उपरांत श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के चरण स्पर्श भी किया। इसके अलावा उन्होंने अन्य सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

धर्म ध्वजा की विशेषता

श्रीराम मंदिर के शिखर पर स्थापित की गई धर्मध्वजा की लंबाई 22 फीट और चौड़ाई 11 फीट है। इस पर भगवान श्रीराम का राज चिह्न कोविदार वृक्ष, उनके वंश का प्रतीक सूर्य और ब्रह्मांड के नाद का प्रतीक ओम् अंकित है। यह उस विशेष वस्त्र से बना है जो मौसम की मार भी झेल सकता है, और काफी दिनों तक सुरक्षित भी रहेगा।

आने वाले दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन का ग्लोबल हब बनेगा : राजनाथ सिंह

- हमारे कुछ शिपयार्ड इस दशक में 100 फीसदी स्वदेशी कंटेंट हासिल करने की राह पर

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया है कि आने वाले एक दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनेगा। उन्होंने कहा कि आज हम एयरक्राफ्ट कैरियर से लेकर एडवांस्ड रिसर्च वेसल और एनर्जी बचाने वाले कमर्शियल जहाज तक सब कुछ डिलीवर करने में सक्षम हैं। दुनिया के समुद्री इतिहास में भारत की छाप है। हमारे पुरखों के लिए समुद्र सरहद नहीं

थे, वे सांस्कृतिक, आर्थिक और स्ट्रेटेजिक जुड़ाव के पुल थे। आज इस विरासत का सम्मान करते हुए हम पुरानी यादों से पीछे मुड़कर नहीं देखते, बल्कि हम एक मकसद के साथ आगे देखते हैं।

रक्षा मंत्री मंगलवार को नई दिल्ली में 'समुद्र उत्कर्ष' सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने न सिर्फ मसालों, कपास और मोतियों का व्यापार किया, बल्कि वे महाद्वीपों के पार विचार, मूल्य और संस्कृति भी ले गए। भारत के लिए समुद्री व्यापार पर निर्भरता खास तौर पर ज्यादा है। भारत का लगभग 95 फीसदी व्यापार वॉल्यूम के हिसाब से और लगभग 70 फीसदी वैल्यू के हिसाब से समुद्री रास्तों से होता है। ऐसा हिंद महासागर में भारत की स्ट्रेटेजिक लोकेशन और 7,500 किमी. लंबी कोस्टलाइन की वजह से भी है। ट्रांसपोर्टेशन का यह तरीका महाद्वीपों के बीच बल्क कार्गो ले जाने, ग्लोबल सप्लाई चेन को आसान बनाने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सपोर्ट करने का सबसे सस्ता और कुशल तरीका बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने म्यांमार भूकंप के दौरान? 'ऑपरेशन ब्रह्मा?' लॉन्च किया, जिसमें? भारतीय जहाज सतपुड़ा, सावित्री, घड़ियाल, करमुक जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म तैनात किए गए, जिनसे बड़े पैमाने पर ज़रूरी मानवीय राहत पहुंचाई गई।

भारत में नेपाल बार्डर के जरिये घुसपैठ कर रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

बहराइच। इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा चेक पोस्ट पर एक बार फिर सुरक्षा में सेंध लगी है। सीमा सुरक्षा बल व पुलिस पार्टी की संयुक्त काम्बिंग ने सोमवार देर रात को एक चीनी नागरिक को अवैध गतिविधियों एवं सीमा पर अति संवदेनशील इलाकों में वीडियोग्राफी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 42 वीं वाहिनी के उप निरीक्षक रत्नेश यादव और रुपईडीहा थाना प्रभारी रमेश रावत पुलिस पार्टी के साथ सीमा पर पतारसी सुरागरसी में थे। इसी दौरान उन्हें भारतीय क्षेत्र में घूमता चीनी नागरिक दिखा। संदिग्ध चीनी नागरिक को रोक कर सुरक्षा बलों ने भारतीय क्षेत्र में घूमने का कारण पूछा, हालांकि वह इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पूछताछ में उसने अपनी पहचान ल्यू कुजिंग, निवासी हुनान प्रांत चीन गणराज्य के रूप में बताई है।

प्रदेश की सबसे बड़ी आवासीय योजना: वरूण विहार के लिए एलडीए ने जमीन का लिया कब्जा

- 300 एकड़ क्षेत्रफल में लॉजिस्टिक पार्क

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने आगरा एक्सप्रेस-वे पर प्रस्तावित वरूण विहार योजना के लिए कल ग्राम- दोना और तेजकृष्ण खेड़ा में अभियान चलाकर लगभग 105 बीघा जमीन का कब्जा प्राप्त किया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने आज बताया कि आगरा एक्सप्रेस-वे के पास लगभग 6,580 एकड़ क्षेत्रफल में वरूण विहार योजना विकसित की जाएगी, जोकि प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी आवासीय योजना होगी। इसके लिए सदर व सरोजनीनगर तहसील के ग्राम-भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना की भूमि चिन्हित की गयी है। उन्होंने बताया कि यहां लगभग 22,403 किसानों से प्राधिकरण के पक्ष में जमीन का बैनामा कराया जाना है। इस पर तेजी से काम चल रहा है और अभी तक किसानों को 300 करोड़ रूपये की मुआवजा राशि वितरित करते हुए लगभग 450 बीघा जमीन का बैनामा कराया जा चुका है। प्रथमेश कुमार ने कहा कि वरूण विहार योजना में कुल 25 सेक्टर होंगे जिनमें 15 हजार से अधिक भूखण्ड सृजित किये जाएंगे। इससे बड़ी आबादी को आवासीय सुविधा मिलेगी। साथ ही शहर के उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा व लॉजिस्टिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास होगा। योजना में 800 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में ग्रीन बेल्ट, पार्क व वॉटर बॉडीज विकसित की जाएगी, जिसमें 01 अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स व सेंट्रल पार्क होगा। इसके अलावा 300 एकड़ क्षेत्रफल में लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया

पशु चिकित्सकों से 20 लाख रुपये मांगने में फंसे अपर निदेशक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप
- आनलाइन खराब की प्रविष्टि, आफलाइन में सुधारी

लखनऊ। पशु चिकित्सकों की गोपनीय प्रविष्टि यानि सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में प्रयागराग के अपर निदेशक ग्रेड-2 रहे डा. कृष्णपाल सिंह फंस गए है। 40 चिकित्सकों ने उन पर धन की मांग करने और पैसा न देने पर सत्यनिष्ठा संदिग्ध करने का आरोप लगाया है। शपथपत्र पर शिकायत के बाद हुई जांच में 22 चिकित्सकों द्वारा आरोपों की पुष्टि की गई है। प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने आरोपित को नोटिस जारी कर 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।वाराणसी में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डा. कृष्णपाल सिंह पर 2024 में मार्च से दिसंबर तक प्रयागराज के अपर निदेशक ग्रेड-2 का अतिरिक्त प्रभार रहा था। उनके विरुद्ध उप्र पशुचिकित्सा संघ के अध्यक्ष डा. संजीव कुमार सिंह सहित 40 पशु चिकित्सकों ने शपथ-पत्र देकर शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डा. कृष्णपाल सिंह द्वारा गोपनीय प्रविष्टि ठीक लिखने के बदले उनसे पैसे की मांग की जाती थी। डा. संजीव कुमार सिंह से 50 हजार रुपये की मांग की गई। डा. उमेश कुमार पटेरिया को भी घर बुलाकर धनराशि की मांग की गई।दोनों अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया था और प्रतिवेदक ने उन्हें ग्रेड-10 और सत्यनिष्ठा प्रमाणित की थी। उन अधिकारियों को पशुधन विकास मंत्री और सीडीओ द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है, फिर भी रिश्वत न मिलने पर उनकी सत्यनिष्ठा श्संदिग्धश कर दी गई। डॉ. शारदा सिंह को कथित रिश्वत न देने पर दो श्रेणी नीचे कर दिया गया। शिकायत पर विभाग ने अपर निदेशक ग्रेड-1 पशु जैविक औषधि संस्थान बादशाहबाग से जांच कराई गई थी। जांच अधिकारी ने 26 सितंबर को अपनी आख्या विभाग को सौंप दी।आख्या में कहा गया है कि जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत हुए 37 पशु चिकित्सकों में से 22 द्वारा सीआर लिखने के बदले पैसों की मांग करने की पुष्टि की गई। निदेशक की और तीन अक्टूबर को जांच आख्या प्रमुख सचिव को भेजी गई थी। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा 15 नवंबर को डा. कृष्णपाल सिंह को जारी नोटिस में कहा गया है कि 15 दिन में उत्तर न मिलने पर अग्रिम निर्णय लिया जाएगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। आरोपित का स्पष्टीकरण मिलने के बाद कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। आरोपित अधिकारी द्वारा कई पशु चिकित्साधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टी आनलाइन खराब दर्शाते हुए उनकी सत्यनिष्ठा संदिग्ध की गई है, बाद में आफलाइन उसे ठीक कर दिया गया। प्रमुख सचिव ने आदेश दिए हैं कि आनलाइन एवं आफलाइन दोनों स्तर पर चरित्र प्रविष्टि का अलग-अलग अंकन होने से भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

मोरारी बापू ने दिया था राम मंदिर में सबसे ज्यादा दान, गुजरात के हीरा कारोबारी ने दान किया था 101 किलो सोना

लखनऊ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू ने राम मंदिर निर्माण के लिए 11.3 करोड़ रुपये दान दिए थे।यह दान राम मंदिर को दिया जाने वाला सबसे बड़ा दान था मोरारी बापू के अलावा अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में उनके अनुयायियों ने 8 करोड़ रुपये और दान दिया था इस तरह मोरारी बापू की कुल दान राशि 18.6 करोड़ रुपये हुई थी। राम मंदिर को दान के रूप में अब तक 5,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मिल चुके हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार केवल जनवरी 2024 में ही राम भक्तों ने दो दिनों में 3.17 करोड़ रुपये दान किया था।सूरत के प्रसिद्ध हीरा कारोबारी दिलीप कुमार वी लक्षी और उनके परिवार ने राम मंदिर के लिए 101 किलो सोना दान किया था।मार्केट रेट के हिसाब से इस सोने की कीमत 68 करोड़ रुपये बताई जाती है। हीरा कारोबारी की तरफ से दान किए गए सोने का उपयोग मंदिर के दरवाजों, गर्भगृह, त्रिशूल, डमरू और पिलर्स की सजावट में किया गया है।राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल मुकेश अंबानी ने मंदिर ट्रस्ट को 2.51 करोड़ रुपये का दान दिया था।उनके परिवार ने व्यक्तिगत तौर पर अलग-अलग सेवाओं में योगदान किया था। राम मंदिर को देश के कई बड़े व्यापारियों और संगठनों ने दिल खोलकर दान दिया था। गुजरात के गोविंद भाई ढोकलिया ने 11 करोड़ रुपये का दान दिया था। सूरत के हीराकारोबारी गोविंद भाई ने भी राम मंदिर को 11 करोड़ रुपये का दान दिया था।पटना महावीर मंदिर की तरफ से भी राम मंदिर के लिए 10 करोड़ रुपये का दान आया था।ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मुकेश पटेल ने भी 11 करोड़ रुपये का डायमंड क्रॉउन राम मंदिर में दान किया। महेश कबूतरवाला ने भी राम मंदिर के लिए 5 करोड़ रुपये का दान दिया था। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार 2022 में फंडिंग कैंपेन शुरू होने के बाद देशभर के लोगों ने भी राम मंदिर के लिए बढ़-चढ़कर दान किया था। फंडिंग कैंपेन के शुरू होने के पहले दिन ही देशभर से राम भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि दान की थी।

वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार युवक की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के माल थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि मंगलवार सुबह ग्राम वीरपुर के पास एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और एक बिना नम्बर की नई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल घटनास्थल से बरामद की। पुलिस को मृतक की तलाशी में मिले मोबाइल फोन से परिजनों के नम्बर प्राप्त कर संपर्क किया गया। इस पर मृतक की प्रथमदृष्टया पहचान हरदोई के ग्राम नेवादा निवासी गंगा प्रसाद ने पुत्र राजा उर्फ सुमित (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

केजीएमयू का दीक्षांत समारोह के जेपी नड्डा होंगे मुख्य अतिथि, देश-दुनिया के विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) का 21वां दीक्षांत समारोह 20 दिसंबर को आयोजित होगा। तैयारी तेज कर दी गई है और सभी विभागों से मेधावियों की सूची मांगी गई है। समारोह में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मुख्य अतिथि होंगे। उन्हें आमंत्रण भेज दिया गया है और विश्वविद्यालय प्रशासन को उनके आने की उम्मीद है। दीक्षांत समारोह अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा। इस दौरान 50 से अधिक मेधावियों को मेडल प्रदान किए जाएंगे। चांसलर और हीवेट समेत अन्य प्रतिष्ठित मेडल भी शामिल होंगे।

राम मंदिर देश का तीसरा कमाऊ मंदिर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राम मंदिर अपनी भव्यता और धार्मिक महत्व के कारण पहले से ही चर्चा में है लेकिन अब इसकी आर्थिक ताकत सामने आई है। भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई राशि ने इसे देश के सबसे धनी मंदिरों की सूची में शामिल कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़ों के अनुसार अयोध्या का राम मंदिर अब कमाई के मामले में तीसरे स्थान पर अपनी मजबूत जगह बना चुका है।पहले स्थान पर तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश 1500 से 1650 करोड़ रूपये, दूसरे स्थान पर पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल 750 से 800 करोड़ रूपये और तीसरे स्थान पर राम मंदिर अयोध्या उत्तर प्रदेश लगभग 700 करोड़ रूपये है।मंदिर के पूरी तरह खुलने, सुविधाओं के विस्तार और भक्तों की बढ़ती संख्या के कारण अयोध्या का राम मंदिर जल्द ही टॉप-2 मंदिरों को टक्कर दे सकता है।राम मंदिर केवल धार्मिक केंद्र नहीं रहा बल्कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन गया है।अयोध्या शहर में पर्यटन बढ़ने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में अयोध्या के 1100 से अधिक पंजीकृत होम स्टे हर महीने दो लाख रुपये तक की कमाई कर रहे हैं जिनकी बुकिंग लगातार फुल रहती है। वंदे भारत ट्रेनों, चौड़े सड़क मार्गों और अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से यात्रियों की संख्या में तेजी आई है जिसने धार्मिक पर्यटन को अभूतपूर्व गति दी है। ध्वजारोहण के साथ अयोध्या धार्मिक और आर्थिक दोनों ही क्षेत्रों में देश के नक्शे पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है।

लखनऊ में बन रहा मैंगो म्यूजियम पार्क देख सकेंगे आम की 775 प्रजातियां

- नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली रोड पर किसान पथ के पास कल्ली पश्चिम में 15 एकड़ में विकसित किये जा रहे 'मैंगो पार्क' में 108 प्रजातियों के 2,068 पौधे लगाये जाएंगे। पार्क में आम्रपाली, दशहरी, अंबिका, चौसा समेत अनेक किस्मों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। अमृत योजना 2 के अंतर्गत इस पार्क का निर्माण सीएंडडीएस करा रहा है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सोमवार को पार्क का निरीक्षण करके कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पार्क में 400 वर्गमीटर का मैंगो म्यूजियम बनाने की तैयारी चल रही है। इसमें देश भर में पाई जाने वाली आम की 775 प्रजातियों की जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। पार्क में आम देखने, पहचानने और उसके स्वाद का आनंद लेने के साथ-साथ उसके इतिहास, वैज्ञानिक विशेषताओं और भौगोलिक विविधता को समझने का अवसर मिलेगा। बच्चों के लिए पार्क में 17 आधुनिक झूले भी लगाए जाएंगे। बैठने के लिए पर्याप्त बेंच लगेंगी, जिससे परिवारों और पर्यटकों के लिए पार्क एक आकर्षक गंतव्य बन सके। पार्क में 1930 वर्गमीटर क्षेत्रफल में तालाब बनाने की योजना है। वाटर लिली और कमल के पौधे तालाब को आकर्षक बनाएंगे। पार्क में चार मैंगो म्यूरल और एक ट्री म्यूरल भी बनेंगे। पार्क के भीतर के मार्गों का नाम भी विभिन्न आम की प्रजातियों पर रखा जाएगा। प्रवेश द्वार पर पत्थर से बना भव्य आम आगंतुकों का स्वागत करेगा। नगर आयुक्त ने बताया कि मैंगो पार्क को बायोडाइवर्सिटी पार्क का रूप देने के लिए अन्य प्रजातियों के 18,828 पौधे लगाए जाएंगे। पार्क की बाउंड्रीवॉल के आस-पास बरगद, अमलतास, पीपल और गुलमोहर जैसे छायादार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा मियावाकी पद्धति के तहत आम, अमरूद, आंवला, जामुन, मौलश्री, शीशम, अशोक, करौंदा और नींबू सहित कुल 20 प्रजातियों के 1,260 पौधे लगाकर घना वन क्षेत्र तैयार किया जाएगा।

बरात में हर्ष फायरिंग, गोली लगने से युवती की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

घटना के बाद दूल्हा फरार

लखनऊ। पुलिस हर्ष फायरिंग की घटनाएं रोक पाने में विफल साबित हो रही है। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे मेरठ के लिसाड़ीगेट के श्यामनगर में बरात रवानगी के दौरान करीब 20 राउंड हर्ष फायरिंग की गई। बरात देखने के लिए दादा के मकान की छत पर खड़ी 22 वर्षीय युवती की गोली लगने से मौत हो गई। बरात में भगदड़ मच गई, दूल्हा और परिवार के लोग फरार हो गए। श्यामनगर निवासी मीट कारोबारी शाहनवाज के बेटे शाकिब का निकाह था। रात करीब साढ़े नौ बजे शाकिब की बरात लोहियानगर थाना क्षेत्र के फफूंडा जाने के लिए तैयार थी। बरात में शामिल कुछ युवकों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। बरात देखने के लिए किराना व्यापारी अरशद की बेटी अक्सा अपने रिश्ते के दादा यामीन के घर गई थी।

सिविल डिफेंस का लगा ट्रेनिंग कैंप, 360 वार्डन को युद्ध के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री धर्मवीर सिंह और डीजी डीके ठाकुर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य की सिविल डिफेंस के तमाम वार्डन को प्रशिक्षित किया जाए। कार्यक्रम में ट्रेनिंग कार्य के साथ आपदा के अवसर में सिविल डिफेंस की क्या भूमिका होती है इस पर विस्तार से चर्चा हुई। डीजी डीके ठाकुर ने कहा कि सिविल डिफेंस की भूमिका हमारे समाज में बेहद महत्व पूर्ण है। चीन से युद्ध के दौरान सिविल डिफेंस की स्थापना हुई। युद्ध के समय में नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना, उन्हें मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराना और युद्ध प्रबंधन में मदद करना इसका अहम काम होता था। मंत्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि आपदा-विपदा के समय सिविल डिफेंस निस्वार्थ सेवाएं देता है। इसमें कार्य करने वालों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिविल डिफेंस के महत्ता को समझा और और इससे सक्रिय किया। पूर्व की सरकारों ने सिविल डिफेंस जैसी महत्वपूर्ण सामाजिक अंग को निष्क्रिय कर दिया था। मगर एक बार फिर से सिविल डिफेंस अपनी भूमिका निभा रही है। पहले उत्तर प्रदेश के मात्र 17 जनपदों में ही सक्रिय कार्य देखने को मिलता था। मगर अब प्रदेश के 75 जनपदों में सिविल डिफेंस सक्रिय हो गई है और नागरिक सेवा, सुरक्षा से सभी लोगों को बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। वार्डन की यह जिम्मेदारी है वह अपने विभाग की और अपनी पहचान जहां जाए छोड़ कर आए और लोगों को बताएं कि सिविल डिफेंस क्या है। चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि सरकार से सिविल डिफेंस को बढ़ाने में पूरा सहयोग मिल रहा है। सिविल डिफेंस में जो नई भर्ती हुई है उनके साथ पुराने वार्डन्स के लिए ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया जा रहा है। लखनऊ जनपद में 360 लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। 90 व्यक्ति एक सप्ताह के लिए ट्रेनिंग सेशन में शामिल होंगे। सिविल डिफेंस शांति व्यवस्था स्थापित करने में और आपदा के समय में नागरिकों की सहायता के लिए अहम भूमिका निभाता है। अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि लखनऊ में तमाम धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सिविल डिफेंस पहली पंक्ति में नजर आता है। इसके अलावा जब कोई भी मुसीबत का समय आता है तो उसमें भी लोगों की सहायता करता है उन्होंने बताया कि हाल ही में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति हुई तो सिविल डिफेंस के द्वारा दर्जनों स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में मॉक ड्रिल करवाया गया समाज को सशक्त, जागरूक और सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

टीकाकरण जागरूकता से ही मेनिन्जाइटिस को रोकना संभव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर भी कहा जाता है, एक गंभीर और टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए बड़ी स्वास्थ्य चिंता का कारण बनती है। मेनिन्जाइटिस जागरूकता पहल का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे खत्म करने के वैश्विक प्रयासों को सशक्त बनाना है, ताकि समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम को बढ़ावा दिया जा सके।

डॉ. आशुतोष वर्मा, पीडियाट्रिशियन, चिल्ड्रेन मेडिकल सेंटर, डालीगंज, लखनऊ बताते हैं, ्लमेनिन्जाइटिस के लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, जिससे परिवार सतर्क नहीं हो पाते। टीकाकरण एक्सपोज़र से पहले सुरक्षा प्रदान करता है—और यही सबसे प्रभावी कदम है। हर टीकाकृत व्यक्ति समुदाय में संक्रमण फैलने की संभावना को कम करता है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों या विदेश जाने वाले छात्रों के लिए टीकाकरण विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य सुरक्षा है।

हर वर्ष विश्वभर में 2.5 मिलियन से अधिक मेनिन्जाइटिस के मामले दर्ज किए जाते हैं। यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है, क्योंकि इस बीमारी से होने वाली मौतों में लगभग 70% बच्चे पाँच वर्ष से कम उम्र के होते हैं।

मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्ली (मेनिंजीज़) में सूजन के कारण होता है। यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फफूंद या वायरस संक्रमण से होता है।3 मेनिन्जाइटिस के लक्षण इसके कारण, बीमारी के स्वरूप (तीव्र, उप-तीव्र या दीर्घकालिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और प्रणालीगत जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) पर निर्भर करते हैं। सामान्य लक्षणों में गर्दन में जकड़न, बुखार, भ्रम या मानसिक स्थिति में बदलाव, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम आम लक्षणों में दौरे, कोमा और न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ (जैसे सुनने या देखने में कमी, संज्ञानात्मक हानि या अंगों में कमजोरी) शामिल हैं।

भारत मेनिन्जाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या में विश्व के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। तीव्र बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस के तीन प्रमुख रोगजनकों में से नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस मृत्यु दर का बड़ा कारण है—उपचार होने पर भी 15% तक और बिना उपचार के लगभग 50% मामलों में।5,6 शोध से यह भी पता चला है कि भारतीय बच्चों (2 वर्ष से कम उम्र) में इससे होने वाले मामलों में वृद्धि देखी गई है। इस जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (ऋइ्र) 9-23 महीने की आयु के बच्चों के लिए मेनिन्गोकोकल वैक्सीन की 2-खुराक अनुसूची तथा 2 वर्ष से अधिक उम्र के उच्च जोखिम वाले बच्चों के लिए एकल खुराक की सिफारिश करती है। यदि आपका बच्चा 9 महीने या उससे अधिक उम्र का है, तो सुनिश्चित करें कि उसे इनवेसिव मेनिन्गोकोकल डिज़ीज़ से बचाव का टीका अवश्य मिले। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी 2030 तक बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस महामारियों को समाप्त करने, टीके से रोकी जा सकने वाली घटनाओं में 50 प्रतिशत और मौतों में 70 प्रतिशत की कमी लाने के उद्देश्य से एक रोडमैप जारी किया है। जैसे-जैसे मेनिन्जाइटिस जागरूकता अभियान आगे बढ़ रहा है, आइए हम अपने बच्चों और समुदायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हों। आज उठाया गया जागरूकता और टीकाकरण का कदम कल कई जिंदगियाँ बचा सकता है, और सभी के लिए एक सुरक्षित व स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकता है।

एशियन फ़ुटवियर्स भारत का सबसे पसंदीदा घरेलू फ़ुटवियर ब्रांड बनने की ओर अगसर

लखनऊ। एशियन फ़ुटवेयर्स, भारत का तेज़ी से आगे बढ़ रहा घरेलू जूता ब्रांड, देश में किफ़ायती और टिकाऊ जूतों के लिए एक नया बदलाव ला रहा है। भारत में अभी भी एक व्यक्ति साल में औसतन सिर्फ़ 1.5 जोड़ी जूते खरीदता है, जबकि दुनिया में यह 6.8 जोड़ी है। ऐसे में भारतीय फ़ुटवियर बाज़ार तेजी से बढ़ रहा है। कंपनी ने अपने कारोबार और ब्रांड को मजबूत करने के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। भारत का फ़ुटवियर बाज़ार 2024 में 18.77 अरब डॉलर का था और 2033 तक इसके दोगुने से भी ज्यादा होने की उम्मीद है। बढ़ते शहर, बदलती जीवनशैली और छोटे शहरों की मांग इस उद्योग को मजबूत बना रही है। एशियन फ़ुटवियर्स इसी बदलाव को और तेज़ी देने पर काम कर रहा है किफायती दाम, अच्छी गुणवत्ता और नए डिजाइन के साथ।

तीन साल की बच्ची के साथ रेप, शादी समारोह देखकर घुसा युवक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इटौंजा इलाके में एक युवक ने 3 साल की बच्ची के साथ रेप किया। युवक शादी समारोह में घुस गया था। वह बच्ची को दूसरी मंजिल पर उठा ले गया। वहीं उसका रेप किया। इसके बाद रोती हुई बच्ची को दूसरी मंजिल से नीचे फेंकने जा रहा था। इसी दौरान लोगों ने देख लिया। आरोपी को लोगों ने पकड़ लिया। युवक की पहचान इटौंजा थाना क्षेत्र के ही सीरगंज के संदीप के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया है कि उसने देखा कि गेस्टहाउस में शादी का कार्यक्रम है। वहीं घुस गया। एक बच्ची को बुलाकर दूसरी मंजिल में ले गया। रेप के बाद बच्ची को मारने की कोशिश भी की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित परिवार रिश्तेदारी की शादी में आया था। एक रिश्तेदार ने बताया- आरोपी संदीप रास्ते से गुजर रहा था। उसकी गंदी नजर बच्ची पर पड़ी। वह गंदी नीयत से ही गेस्ट हाउस के अंदर घुसा। बच्ची को दूसरी मंजिल पर ले जाकर उसके साथ गलत किया। काफी देर तक जब बच्ची नजर नहीं आई तो लोगों ने ढूंढना शुरू किया। डीजे साउंड बंद करवा दिया गया। शादी में शामिल हुए कुछ लोगों को बच्ची की चीख सुनाई दी। वे लोग आवाज सुनते हुए दूसरी मंजिल पर पहुंचे। आरोपी बच्ची को नीचे फेंकने जा रहा था तभी लोगों ने आरोपी को लपक लिया। पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया गया।

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ, बुधवार 26 नवम्बर, 2025

निर्धारित समय में एसआईआर का कार्य निष्पक्ष ढंग से करें पूर्णः डीएम

- लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आगे आए सभी मतदाता: अनुयय झा
- डीईओ ने बैठक में एसआईआर के कार्यों मे तेजी लाने के दिए निर्देश
- कोई भी मतदाता गणना प्रपत्र पाने से वंचित न रहे: जिला निर्वाचन अधिकारी
- डीईओ ने गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रह व डिजिटाइज की स्थिति की जानकारी हेतु सभी ईआरओएईआरओ को निरीक्षण करने के निर्देश दिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने जनपद में हो रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से एसआईआर के कार्यों मे तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ को प्रशिक्षित, प्रोत्साहित कर एवं उनका मनोबल बढ़ाते हुए कार्य कराया जाए। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्णतया पालन कराने तथा एसआईआर की प्रक्रिया को समयबद्ध रुप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अपने क्षेत्रों में एसआईआर के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि जिला संपर्क केंद्रो/ कंट्रोल रूम में कार्यरत कार्मिक पूर्णतया प्रशिक्षित एंव एसआईआर की पूरी प्रक्रिया से भिज्ञ हों और इन केंद्रो में आवश्यकतानुसार टेलीफोन लाइनों की उपलब्धता रहेए जिससे आने वाले कॉल एंव जिज्ञासाओं का शीघ्र समाधान किया जा सके। उन्होंने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम प्रगति वाले बूथों को डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाने के लिए बीएलओ के कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग करनेए साथ ही **बुक अ कॉल विद बीएलओ** ऐप के लंबित प्रकरणो को 48 घंटे से पहले निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी एके मौर्य, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले इफरान अली को जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया सम्मानित

बैठक के उपरान्त विधान सभा निर्वाचक नामावली का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत अपने बूथ के सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र शप्रतिशत वितरितए एकत्रित एवं डिजिटाइज करने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ ;सहायक अध्यापकद्ध इफरान अलीएविधानसभा गोपामऊ बूथ संख्या 7 को जिला निर्वाचन अधिकारी ने माला एवं शाल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी बीएलओ श्री अली की तरह अपने कार्य को पूरी निष्ठा, लगन एवं समयबद्वता के साथ करते हुए अपने लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करें तथा एस.आई.आर. 2026 अभियान को सफल बनाने में पूरी प्रतिबद्वता से योगदान दें। उन्होने कहा कि मतदाता सूची का सुद्ढ, त्रुटि रहित एवं अद्यतन होना निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वनियता का आधार है।

ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिता होना आवश्यक हैः साँसद

खिलाड़ियों का परिचय लेते सांसद अशोक रावत — फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

- आई०जी०सी०एल० क्रिकेट टूर्नामेंट का भरावन में हुआ शुभारम्भ
- मोहनलालगंज की टीम ने 8 विकेट से जीता मैच

राष्ट्रीय प्रस्तावना

भरावन (हरदोई)। मंगलवार को आई जी सी एल क्रिकेट टूर्नामेंट की तृतीय श्रखला का शुभारम्भ बी०वी०एम० इंटर कॉलेज भरावन के मैदान पर शुरू हुआ। आईजीसीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन भाजपा नेता कर्नल आदित्य सिंह के तत्वाधन में हुआ। टूर्नामेंट का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सांसद अशोक रावत ने टॉस उछाल कर किया मैच का शुभारम्भ।

श्री सांसद ने बताया ग्रामीण क्षेत्रो में खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन आवश्यक है, जिससे ग्रामीण स्तर की प्रतिभाए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर सके और प्रदेश कार्य समिति के सदस्य संचित अग्रवाल ने बताया भरावन की प्रतिभा को निखारने का बेहतरीन प्लेटफार्म है। सांसद अशोक रावत ने बैटिंग में हाथ आजमाया तो संचित अग्रवाल ने बॉलिंग करके जौहर दिखाया। पहला मैच अतरौली और मोहनलालगंज के बीच खेला गया जिसमे अतरौली की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की 12 ओवर के मैच में 11.5 ओवर में 59 रन पर ऑल आउट हो गई। जवाब में उतरी मोहनलालगंज के कप्तान मनीष मिश्रा की टीम ने 5.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 62 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। मैन ऑफ़ द मैच निखिल ने तीन विकेट लिये और नाबाद 13 रन बनाये। मैन ऑफ़ द मैच निखिल को कर्नल आदित्य सिंह ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। अगला मैच बनी और कुकुरी के बीच में कल खेला जाएगा।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में क्षेत्र के नरेंद्र बाजपेई, आशीष अवस्थी, अमल शुक्ला, मिलन मिश्रा, विष्णु सिंह, अशोक राय, विनोद सिंह, धीरज सिंह चौहान, प्रमोद त्रिपाठी, सचिन पाण्डेय, कुवर वीरेंद्र सिंह, सुबोध कांत मिश्रा, डॉ० शैलेन्द्र बाजपेई मौजूद रहे।

अतिक्रमण की भेंट चढ़े कछौना हाईवे के अंडरपास

कछौना अंडरपास के नीचे अवैध पार्किंग से लगा जाम — फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

- फ्लाई ओवर की अधिकांश स्ट्रीट लाइटों की बत्ती गुल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कस्बे से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 731 के अंडरपास पर दिन प्रतिदिन बढ़ता अतिक्रमण राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है! अंडरपास के नीचे दोनों और पटरी दुकानदारों व अवैध पार्किंग के कारण राहगीरों को भीषण जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है! विशेषकर विद्यालयों में छुट्टी के समय रोड पर पूरी तरह भीषण जाम लगता है, जिसमें विद्यार्थियों, मरीजों व राजगीरों को घंटे जाम का सामना करना पड़ता है!

स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास बनाने का उद्देश्य आवागमन को सुगम बनाना था लेकिन अनियंत्रित अतिक्रमण के चलते यह व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो रही है जिसमें स्कूली वाहन, एंबुलेंस व ग्रामीण क्षेत्र से आने जाने वाले लोगों को रोजाना घंटों जाम में फंसना पड़ रहा है! अंडरपास के नीचे प्राइवेट बसें, आड़े-तिरछे खड़े ई-रिक्शा व ग्राहकों की गाड़ियों से लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है! बड़े वाहन आ जाने पर मार्ग पर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है!

वहीं दूसरी ओर कस्बे से निकले फ्लाईओवर पर राहगीरों की आवागमन की सुविधा के लिए जो स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी उनमे अधिकांश चंद महीने बाद ही खराब हो गई थी! जिससे रात के अंधेरे में सर्विस लेन पर निकलने वाले बच्चोंए बुजुर्गों, महिलाओं व राहगीरों को काफी दिक्कत होती है! अंधेरा होते ही आवारा जानवरों व कुत्तों का रोड पर कब्जा हो जाता है जो कभी भी किसी पर हमलावर हो जाते हैं! स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने की मांग की है ताकि अंडरपास का सुचारु रूप से उपयोग हो सके, साथ ही कोहरे शुरू होने से पहले ही खराब पड़ी हाईवे की सभी स्ट्रीट लाइटें भी सही करने को कहा है, जिससे कि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके!

ट्रक के नीचे घुस कर युवती ने किया आत्महत्या का प्रयास, लखनऊ के ट्रामासेण्टर में तोड़ा दम

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मल्लावां थाना नग में सोमवार शाम

को दर्दनाक घटना उस समय आई जब अपनी बहन और बहनोई के साथ बाइक से जा रही 21 वर्षीय युवती ने अचानक चलते ट्रक के नीचे घुसकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल हो गईए जिसे सीएचसी मल्लावां लाए डाक्टर ने गम्भीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया।

- सीएससी मल्लावां के डॉक्टरों ने किया रेफर लखनऊ में युवती ने तोड़ा दम

जानकारी के अनुसार गांव शाहपुर वसुदेव थाना माधौगंज निवासी शिवानी (21) पुत्री किशनपाल अपनी बड़ी बहन सीमा और बहनोई दिनेश निवासी जगत नगर लोहाना थाना बांगरमऊ जनपद उन्नाव के साथ जा रही थी। मल्लावां मे छोटा चौराहा पर समोसा की दुकान पर समोसा खरीदने के लिए रुके। उसी समय कटरा हाईवे बिल्हौर रोड से निकल रहे ट्रक को देखते ही शिवानी अचानक ट्रक के नीचे घुस गई। जिससे ट्रक का पिछला पहिया उसकी कमर के ऊपर से निकल गया। जिससे शिवानी गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। काफी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही मल्लावा पुलिस मौके पर पहुंची वही एंबुलेंस की मदद से शिवानी को सीएचसी मल्लावां पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए उपचार दौरान जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के कारणों को लेकर अभी तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। वरिष्ठ उप निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में यह स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि युवती ने जानबूझकर ट्रक के नीचे घुस रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। वही परिजनों ने बताया कि शिवानी की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई घटना को देखकर इलाके में दहशत व चर्चा का माहौल बना दिया है।

बीएसए के आदेश की उड़ाई गई धज्जियाँ

आगमपुर विधालय से गायब शिक्षक — फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगति पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में कई विद्यालयों के शिक्षकों की गंभीर उदासीनता सामने आई है। निरीक्षण में अनेक स्कूलों में शिक्षक ड्यूटी समय पर अनुपस्थित पाए गए, जिससे प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति प्राथमिक विद्यालय आगमपुर में देखी गई, जहाँ नियुक्त तीनों कर्मी मौके पर नहीं मिले। प्राथमिक विद्यालय आगमपुर में इंचार्ज प्रधानाध्यापक मेहेरनिधि निगम, सहायक अध्यापक राहुल वैश्यए शिक्षामित्र किरणलता निरीक्षण के दौरान एक भी व्यक्ति उपस्थित नहीं था। निर्वाचन कार्य की प्रमुख जिम्मेदारी के बीच इस तरह की गैरहाजिरी को विभाग अत्यंत गंभीर मान रहा है। वहीं बीएलओ आलमवीर सिंह और सहायक अध्यापिका सरस्वती शुक्ला अपनी ड्यूटी पर मौजूद मिलीं।

मौलागंज में बीएलओ ड्यूटी से नदारद

प्राथमिक विद्यालय मौलागंज में प्रधानाध्यापक सुनील कुमार तो मौजूद रहे, किंतु बीएलओ के रूप में तैनात आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सम्मी रानी और रेखा रानी बूथ पर अनुपस्थित पाई गईं। उनकी अनुपस्थिति से क्षेत्रीय पुनरीक्षण की प्रगति प्रभावित हुई।

परेली और सिगुलापुर में भी अनदेखी

प्राथमिक विद्यालय परेली और सिगुलापुर में भी निरीक्षण के समय शिक्षक न तो विद्यालय में मिले और न ही बूथ पर। इन विद्यालयों में मिली स्थिति से स्पष्ट है कि कई शिक्षकों ने अपने निर्वाचन दायित्वों को गंभीरता से नहीं लिया।

क्या बोले सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी

इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ए रामेंद्र ने बताया 85 प्रतिशत शिक्षक अपनी ड्यूटी पर रहे हैं। 15प्रतिशत शिक्षकों के बारे में जानकारी मिली है जिन्होंने कार्य मे लापरवाही बरती। उनकी लिस्ट मंगाई जा रही है उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भैसों की चोरी के लिए गैंग सक्रिय, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

कोथावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों से भैसों की चोरी के लिए गैंग सक्रिय है। जो आए दिन ग्रामीण क्षेत्रों

में भैंसों की चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा है। सोमवार की रात को ग्राम पिपरी में अखिलेश वर्मा पुत्र दिलाराम की तीन भैसें तथा राजकुमार पुत्र राम प्रसाद की एक भैस व शुभकरन पुत्र दिलाराम की एक भैस को अज्ञात बदमाश खोल ले गए। रात्रि के एक बजे तीनों लोगों के जागने पर भैसें हातों से नदारत पाई गईं जिस पर इन लोगों ने भैंस चोरों को पकड़ने के लिए आसपास घूमने लगे, हालांकि ग्रामीण काफी दूर तक उनका पीछा भी करते रहे, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर गायब हो गए। जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वहीं ग्रामीणों के मुताबिक उन्होंने मामले संबंधी पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। मामले को गंभीरता से देखते हुए बेनीगंज कोतवाल ओम प्रकाश सरोज ने टीम गठित कर मामले की छानबीन कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया

विवाह पंचमी अवसर पर रामबारात का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। माँ इच्छापूर्णी रामजानकी मंदिर की प्रसिद्व रामबारात पूरे नगर में बड़ी श्रृद्वा भाव के साथ निकाली गई। गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकली रामबारात पर लोगों ने छतों से अक्षत, पुष्पों की वर्षा करते हुए माहौल को भक्तिमय कर दिया। बारात का नगर में जगह जगह पर स्वागत एवं प्रसाद वितरण किया गया।

नगर में चल रहे श्री राम विवाह महोत्सव में मंगलवार को विवाह पंचमी अवसर पर रामबारात का आयोजन किया गया। विवाह यात्रा का शुभारम्भ मंदिर संस्थापक वैष्णव हरिशरण ने विवाह रथ पे सवार श्री राम दरबार के विग्रह का आरती व पूजन कर किया। दर्जन भर सजीव झांकियों में प्रमुख रुप से कमल पर विराजमान राधाकृष्ण, क्षीर सागर में लक्ष्मीनारायण, इच्छापूर्णी दुर्गा माँ, शंकर पार्वती व राम दरबार की झांकियाँ विशेष आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहीं। रथ पे दूल्हा बने राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुध्हन के दर्शन पाने को नगरवासी उत्साहित रहे, बारात में शामिल विग्रह रथ को खींचने में श्रद्वालुओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के साथ निकली राम बारात भ्रमण करते हुए सल्लिया मार्ग, बड़ा चौराहा, वाजिदनगर चुगीं स्थित भुवनेश्वर मंदिर, बस स्टैंड, कोतवाली मार्ग, कटरा बाजार, मिश्राना, भूरेश्वर मंदिर, नगर पालिका मार्ग होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुँची। इस दौरान नगर में जगह जगह स्वागत एवं प्रसाद वितरण चलता रहा। बारात की अगवानी करने वालों में जबरदस्त उत्साह रहा।

राम बारात का स्वागत एवं प्रसाद वितरण करने वालों में प्रमुख रुप से बहादुर राठौर, रानू तिवारी, अंकित श्रीवास्तव, रत्नेश तिवारी, विकास कटियार, अमरीश कटियार, प्रजापति परिवार, पंकज यज्ञसैनी, अभय कटियार, अनुराग मिश्रा आदि श्रद्धालु भक्त रहे।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंझिला थाना क्षेत्र के एक गांव में दबंग ने रात्रि के 10:00 बजे घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला के चीखने चिल्लाने पर छोड़कर भाग गया। घटना के वक्त महिला का पति एक भागवद् कार्यक्रम में रात्रि के वक्त गोलगप्पे भेज रहा था। मंझिला थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले गोलगप्पा विक्रेता ने बताया कि उर्ली गांव में रात्रि में भागवत के दौरान वह गोलगप्पे बेचने चला गया था। सोमवार की रात्रि लगभग 10:00 बजे उसकी गैर मौजूदगी में रनपाल उर्फ कालू पुत्र सरजू प्रसाद निवासी अंतोरा घर में घुस गया और उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। पत्नी के चीखने चिल्लाने पर उपरोक्त रनपाल जान माल की धमकी देकर भाग गया। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

श्रम संहिताएं शोषण का नया औजार

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर चार श्रम संहिताएं लागू कर दी हैं। इनमें से मजदूरी संहिता 2019 में संसद ने पारित की थी। अन्य तीनों संहिताएं सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशाएं संहिता 2020 में संसद में पारित की जा चुकी हैं। लेकिन इसके बाद इन्हें लागू करने पर कोई बात नहीं हुई, तो समझा गया कि इन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। 2024 में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल भी खत्म हो गया। फिर चुनाव में जीत कर नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यभार संभाला, उसके बाद भी इन श्रम संहिताओं पर कोई बात नहीं हुई। अब यकायक मोदी सरकार ने इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर सबको चौंका दिया। सरकार इस फैसले को कर्मचारियों और मजदूरों के हित में बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्आज, हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। यह आजादी के बाद मजदूरों लिए सबसे बड़े और प्रगतिशील सुधारों में से एक है। यह हमारे कामगारों को बहुत ताकतवर बनाता है। इससे नियमों का पालन भी काफी आसान हो जाएगा और यह श्ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश को बढ़ावा देने वाला है। प्रधानमंत्री ने इन्हें आजमाए बिना ये तो कह दिया कि ये मजदूरों के सबसे प्रगतिशील सुधारों में से एक हैं, लेकिन ये नहीं बताया कि पिछले कार्यकाल में इन सुधारों को लागू करने से उन्हें किसने रोका था और अब अचानक इन्हें लागू क्यों किया गया। ध्यान रहे कि जिस समय इन संहिताओं को पारित कराया गया, वह कोरोना महामारी का दौर था। जिसने नोटबंदी के बाद त्रस्त जनता की कमर बुरी तरह तोड़ दी थी। लाखों लोग बेघर और बेरोजगार हो गए थे। तब नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का लुभावना नारा दिया था। अभी श्रम संहिताओं को लागू करते वक्त फिर इसी आत्मनिर्भर भारत की बात ही कही जा रही है। मगर मजदूर संगठन अब भी यह नहीं मान रहे हैं कि इनसे मजदूरों का भला होगा। पांच साल पहले भी उन्होंने इसका विरोध किया था, और वे अब भी यही कह रहे हैं कि यह पूंजीपतियों के हितों को देखते हुए बनाए गए हैं।श्रम संहिता के खिलाफ इंटक, एटक, एचएमएस, सीआईटीयू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एईडब्लूए, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी जैसे मजदूर संगठनों ने 26 नवंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन का ऌफ़ैसला भी किया है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्मजदूरों से जुड़े 29 मौजूदा कघनूनों को 4 कोड में री-पैकेज किया गया है। इसका किसी क्रांतिकारी सुधार के तौर पर प्रचार किया जा रहा है, जबकि इसके नियम अभी तक नोटिफाई भी नहीं हुए हैं। उन्होंने सवाल खड़े किए हैं, श्लेकिन क्या ये कोड भारत के मजदूरों की न्याय के लिए इन 5 जरूरी मांगों को हकघेकघ्त बना पाएंगे?देखना होगा कि मोदी सरकार इन सवालों के जवाब देती है या इन्हें अनदेखा कर देती है। वैसे सरकार का दावा है कि साल 2019 के वेज कोड से कामगारों को न्यूनतम मजदूरी की गारंटी मिल सकेगी और हर पांच साल में न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा की जाएगी। लेकिन जिस देश में साल में कई बार महंगाई के झटके लगते हैं, वहां मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तय करने के लिए पांच साल क्या ज्यादा लंबा वक्त नहीं है। सरकार का यह भी दावा है कि इससे सभी कामगारों को समय पर वेतन मिलने की गारंटी भी दी जाएगी और महिलाओं और पुरुषों को समान मेहनताना मिल सकेगा। एक छोटे से योगदान के बाद सभी कामगारों को ईएसआईसी के हॉस्पिटल और डिस्पेंसरी में चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी और यह सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिहाज से काफी अहम होगा।अच्छी बात है कि इन संहिताओं में इस तरह के प्रावधान हैं, लेकिन महिलाओं को समान वेतन के साथ ही रात में काम के लिए बुलाने की भी छूट दी गई है। बेशक इसमें महिलाओं की सहमति जरूरी होगी, लेकिन इसके बावजूद महिला शोषण के खतरे बढ़ जाएंगे। नयी श्रम संहिता में श्रमिकों को हड़ताल की अनुमति नहीं है, चाहे उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाए, चाहे पगार कम कर दी जाए, वे अपने हक के लिए संगठित होकर खड़े नहीं हो पाएंगे। गौरतलब है कि भारत में मजदूर संगठनों ने लंबी लड़ाई के बाद कामगारों के हित में 44 कघनून बनवाए थे। जिनमें काम के निर्धारित घंटे, श्रम संगठन बनाना, श्रमिकों के हितों के लिए सामूहिक तौर पर सौदेबाजी कर पाने की क्षमता वगैरह शामिल थे।

2024 में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल भी खत्म हो गया। फिर चुनाव में जीत कर नरेन्द्र मोदी ने तीसरा कार्यभार संभाला, उसके बाद भी इन श्रम संहिताओं पर कोई बात नहीं हुई। अब यकायक मोदी सरकार ने इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर सबको चौंका दिया। सरकार इस फैसले को कर्मचारियों और मजदूरों के हित में बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, श्आज, हमारी सरकार ने चार लेबर कोड लागू कर दिए हैं। यह आजादी के बाद मजदूरों लिए सबसे बड़े और प्रगतिशील सुधारों में से एक है।

स्मृति शेष: धर्मेंद्र के साथ एक युग की विदाई

डॉ. सत्यवान सौरभ

धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ 'स्टार' नहीं बने, वे 'दिलों का हीरो' बने। 1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाज़ा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है।

हिंदी सिनेमा ने अपने लंबे सफर में कई सितारों को जन्म दिया पर उनमें कुछ ऐसे हैं जिनकी रोशनी समय के साथ कम नहीं होती बल्कि हर पीढ़ी की आँखों में एक नई चमक लेकर जीवित रहती है। धर्मेंद्र उन्हीं दुर्लभ सितारों में से थे, जो सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि भारतीय समाज के भावनात्मक ताने-बाने का हिस्सा बन चुके थे। उनका जाना एक ऐसी खामोशी छोड़ गया है, जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है। वे सिर्फ पर्दे पर दिखने वाली एक छवि नहीं थे; वे ऐसे इंसान थे, जिनकी गर्माहट और विनम्रता ने दर्शकों को अपने परिवारों के किसी सदस्य की तरह उनसे जोड़ दिया था। धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ 'स्टार' नहीं बने, वे 'दिलों का हीरो' बने। 1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाज़ा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है। शुरुआत भले धीमी रही हो, पर उनकी आँखों में मौजूद मासूमियत और व्यक्तित्व में छिपा गहरा आत्मविश्वास बहुत जल्द ही लोगों के दिलों तक पहुँच गया। उनकी शुरुआती फिल्मों ने यह दिखाया कि उनमें संवाद की सरलता, भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति और अपने किरदार के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण जैसी विशिष्ट खूबियाँ हैं। समय के साथ धर्मेंद्र ने दिखाया कि वे सिर्फ एक रोमांटिक हीरो नहीं बल्कि हर शैली में फिट बैठने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने अभिनय के हर रंग को जीया- रोमांस की कोमलता, कॉमेडी की सहजता, एक्शन की तीव्रता और भावुक दृश्यों की गहराई। ''अनुपमा'' और ''अनपढ़'' में उनकी रोमांटिक छवि दर्शकों का दिल चुरा लेती थी तो ''मेरा गांव मेरा देश'' और ''शोले'' में उनका एक्शन नुमा अंदाज़ उन्हें 'ही-मान' की उपाधि दिलाता था। यह उपाधि किसी फैशन के कारण नहीं बल्कि उनके स्वाभाविक दृढ़ व्यक्तित्व का प्रमाण थी। शोले का वीरू भारतीय सिनेमा के इतिहास का वह चरित्र है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। वीरू की मस्ती, दोस्ती, बेफिक्री और दिल की गहराई ने इस किरदार को अमर बना दिया। धर्मेंद्र कोई भूमिका निभाते नहीं थे, वे उसे जीते थे। यही कारण है कि वीरू आज भी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला देता है। लेकिन धर्मेंद्र का जादू सिर्फ वीरू तक सीमित नहीं था। ऌचुपके चुपकेङ्क में उनकी गंभीर-स्वभाव वाली कॉमेडी यह साबित करती है कि हास्य अभिनय हमेशा उछल-कूद या अतिरंजना से नहीं आता; वह शालीनता और समयबद्ध संवादों से भी पैदा हो सकता है। धर्मेंद्र इस बात का जीता-जागता उदाहरण थे। उनके अभिनय का आधार हमेशा 'सच्चाई' रहा। वे अभिनय नहीं करते थे, वे सत्य को अभिव्यक्त करते थे। यह सत्य कभी प्रेम की कोमलता के रूप में जागता था, कभी संघर्ष की तल्ख़ी के रूप में। आज के समय में जब अभिनय तकनीक और बाहरी सजावट पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, धर्मेंद्र हमें याद दिलाते हैं कि अभिनय का सबसे बड़ा केंद्र 'दिल' होता है। यही वह विशेषता है, जिसने उनकी फिल्मों को समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया। धर्मेंद्र की एक और महानता थी- जमीन से उनका जुड़ाव। उन्होंने कभी खुद को महान या बड़ा साबित करने की कोशिश नहीं की। सैकड़ों फिल्मों की सफलता, लाखों प्रशंसक और दशकों की लोकप्रियता के बाद भी वे साधारण ग्रामीण की तरह बात करते थे। उनकी विनम्रता किसी बनावटी विनम्रता का परिणाम नहीं थी; वह उनके स्वभाव का हिस्सा थी। यही कारण है कि वे उद्योग के भीतर और बाहर-दोनों जगह समान आदर के पात्र बने रहे। धर्मेंद्र ने अपनी निजी और राजनीतिक जिंदगी में भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा। वे वर्ष 2004 में लोकसभा के लिए चुने गए और अपने तरीके से जनता की सेवा की। हालाँकि वे राजनीति में गहराई से सक्रिय नहीं रहे लेकिन यह साफ समझ आता है कि वे समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को समझते थे। उनका चरित्र उतना ही सीधा और स्पष्ट था जितना उनका अभिनय। उनकी जीवनशैली की सादगी ने भी लोगों को हमेशा प्रभावित किया। मुंबई की भीड़भाड़ से दूर उनका फार्म हाउस, धरती पर काम करना, खेतों को सींचना, पशुओं के साथ समय बिताना- ये सब उनकी आत्मा को सुकून देते थे। यह उस अभिनेता की तस्वीर है जो चमकते पर्दे से परे, असली जिंदगी में प्रकृति की गोद में अपने आप को पूरा महसूस करता था। यह गुण किसी अभिनेता में शायद ही देखने मिलता हो। उनका योगदान सिर्फ उनके समय तक सीमित नहीं। आज की पीढ़ी भी धर्मेंद्र की फिल्मों में वही ताजगी, वही मानवीय संवेदना और वही संवाद शक्ति महसूस करती है, जो 40-50 साल पहले दर्शक महसूस करते थे। यह बहुत कम कलाकारों के हिस्से आता है कि उनकी फिल्मों की ताकत पीढ़ियों की सीमाएँ लांघ जाए। धर्मेंद्र यह विरासत अपने साथ लेकर नहीं गए; वे इसे समाज में छोड़ गए हैं। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं तो उनके चेहरे की वह सहज मुस्कान तुरंत आँखों के सामने आ जाती है। ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी किसी दृश्य की तैयारी कर रहे हों या किसी इंटरव्यू में अपनी प्रसिद्ध विनम्रता के साथ कह रहे हों- अरे, मैं कौन-सा बड़ा कलाकार हूँ, बस अपनी कोशिश करता हूँ। उनकी यह बात ही उन्हें बड़ा बनाती थी। धर्मेंद्र का जाना भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक कलाकार की विदाई नहीं; यह एक युग का अवसान है। वह युग जिसमें सादगी, भावनाएँ और मानवीयता अभिनय की रीढ़ हुआ करती थीं। वह दौर जब सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि समाज, परिवार और रिश्तों का आईना होता था। धर्मेंद्र उस आईने की सबसे चमकदार किरण थे। हर महान कलाकार की तरह धर्मेंद्र भी यह सिद्ध करके गए हैं कि शरीर भले चला जाए, कला कभी नहीं जाती। उनकी आवाज़, उनकी हँसी, उनकी आँखों की चमक, उनकी फिल्मों के दृश्य- यह सब कहीं न कहीं हमारे भीतर जीते रहेंगे। वह इसलिए नहीं कि उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया बल्कि इसलिए कि उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। सिनेमा की असली शक्ति यही है- जब दर्शक अभिनेता को सिर्फ अभिनेता न मानकर परिवार का हिस्सा मानने लगे। आज, जब हम श्रद्धांजलि देते हुए यह पंक्ति याद करते हैं- ऌअभी न जाओ छोड़ के३ङ्क- तो यह सिर्फ एक गीत की पंक्ति नहीं रह जाती। यह एक युग की पुकार जैसी लगती है। लेकिन महान कलाकार कभी सचमुच नहीं जाते। धर्मेंद्र भी नहीं गए। वे हमारे गीतों में हैं, संवादों में हैं, फिल्मों में हैं और सबसे बढ़कर हमारे दिलों में हैं। भारतीय सिनेमा के उस 'ही-मान' को शत-शत नमन, जिसकी सादगी ने हमें इंसान होना सिखाया और जिसकी मुस्कान ने पीढ़ियों को जीवन की सुंदरता का एहसास कराया।

एसआईआर एक, लाभ अनेक

प्रेम शर्मा

देश के वोटर लिस्ट को सुधार करने का एक शांत लेकिन जरूरी काम चल रहा है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, या एसआईआर में बूथ लेवल ऑफिसर अपडेटेड लिस्ट के साथ घर-घर जा रहे हैं। दुनिया के सबसे बड़े इलेक्टोरल डेटाबेस में से एक पर काम करते हुए कन्फर्मेशन और करेक्शन मांग रहे हैं। इससे बहस छिडीघ् है। इस बात को लेकर नई जिज्ञासा पैदा हुई है कि भारत का सबसे बुनियादी डेमोक्रेटिक डॉक्यूमेंट कैसे सही रखा जाता है। भले ही हमें अभी एसआईआर एक सुक्ष्म कार्यप्रणाली लग रही हो लेकिन इसके फायदे अनेक है। भारी संख्या मे घुसपैठियों का रोजगार पर कब्जा, संगठित अपराधों में बढ़ोत्तरी और सरकार बदलने की ताकत को रोकने में यह प्रयास काफी कारगार साबित होगा। सरकार की इस सटीक और सूझबूझ की रणनीति का परिणाम कुछदे से मिलेगा लेकिन वह देश हित में होगा। करोड़ों की संख्या में अवैध घुसपैठियों और फर्जी वोटरों के खात्मे के लिए किया जा रहा यह कार्य कई पॉलिटिकल पार्टियां खतरे की घंटी बजा रहा हैं। जैसे.जैसे यह काम आगे बढ़ रहा है, एक नया सवाल सामने आने लगा है। सबसे खास बॉत यह कि अवैध घुसपैठियों को शरण देने वाले आंका सरकार के इस प्रयास से तिलमिलाए हुए है। वैसे पड़ौसी देशों से घुसपैठ भारत के लिए नासूर बनने की ओर है। बाहरी नागरिकों के भारत में अवैध रूप से बसते जाने का संकेत दे रहे आंकड़े और अनुमान चौंकाते हैं। बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों से हो रही घुसपैठ भारतीय नागरिकों के हितों और हक को हड़पने का सबब बन गई है। इसके सामाजिक,आर्थिक और आपराधिक दुष्प्रभाव सामने आ रहे है।लिहाजा घुसपैठ का यह मसला राष्ट्रीय मुद्दा है। ऐसे में एसआरआई की जरूरत को नकारा नही जा सकता। भारत में अनुमानित घुसपैठियों की संख्या एक विवादास्पद विषय है। हम अगर बीस साल पहले की बॉत करे तो साल 2004 में, सरकार ने अनुमान लगाया था कि लगभग 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे थे। जबकि 2016 की एक रिपोर्ट में यह संख्या लगभग 2 करोड़ बताई गई थी। 2020 में, सरकार ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 1.1 लाख बांग्लादेशी रहे हैं, जिनके वीजा की वैधता समाप्त हो चुकी थी। सरकार यह भी स्वीकार चुकी है कि देश के सभी हिस्सों में रहने वाले अवैध प्रवासियों के सटीक आँकड़े जुटाना मुश्किल है। अवैध घुसपैठ को लेकर प्रधानमंत्री मोदी लालकिले की प्राचीर से कह चुके है कि धुसपैठ देश की जनसांख्यिकी स्थिति के लिए खघ्तरा है। जो अब एक चुनौती बन गई है। सोचे-समझे षड्यंत्र के तहत देश की जनसांख्यिकी को बदल कर नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं। घुसपैठिए देश के युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं और हमारी बहन-बेटियों को निशाना बना रहे हैं। जनजातियों को गुमराह कर उनकी जमीनें हड़प रहे हैं। अवैध घुसपैठियों को प्रदेश से बाहर निकालने के मिशन में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को अवैध घुसपैठियों पर त्वरित और सख्त कार्रवाई का निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित कर नियमानुसार कार्रवाई करे। असम में पहले से यह मिशन तेजी से चल रहा है। मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड आदि कई राज्यों के मुख्यमंत्री घुसपैठियों को खदड़ने के लिए कमर कस चुके है। देशभर में नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी को लेकर बहस चल रही है। कुछ लोग इसके सपोर्ट में हैं तो बहुत से लोग इसका विरोध कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन भी हो चुके हैं। असम में देश का सबसे बड़ा डिटेंशन सेंटर बन रहा है। गुवाहाटी से करीब 150 किलोमीटर दूर राज्य के गोवालपारा जिले में बनाए जा रहे इस डिटेंशन कैंप में घुसपैठियों को रखा गया। ऐसा इसलिए कि भारत में सार्वधिक घुसपैठिये असम और बंगाल में है लेकिन असम भी भाजपा नीति सरकार के चलते यह पहल कामयाब रही जबकि पंश्चिम बंगाल में इस कार्यवाही का ममता बनर्जी सरकार का पूरजोर विरोध आज भी जारी है। सबको याद होगाकि फिल्म अभिनेता सैफ अली पर हमले का आरोपी बांग्लादेशी है। यानि आपराध में इनकी अधिकाधिक भागीदारी को नकारा नही जा सकता। ऐसे करोड़ों बांग्लादेशी भारत में बस चुके हैं। मगर पिछले 60 साल में बांग्लादेशियों की बड़ी आबादी देश के कोने-कोने में खप चुकी है। अवैध बांग्लादेशी न सिर्फ भारत के संसाधनों पर पहल रहे हैं बल्कि राजनीति को प्रभावित करने लगे हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 12 मिलियन यानी 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। हालांकि बाद में उन्होंने इस आंकड़े के स्रोतों को गलत बताते हुए अपना बयान वापस ले लिया था। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हालांकि इस आंकड़े की कभी पुष्टि नहीं हुई। मगर हर शहर में बनाए गए अधिकतर अवैध झुग्गियों का कनेक्शन इन बांग्लादेशियों से रहा है। देखा जाए तो घुसपैठियों ने 140 करोड़ के देश की डेमोग्राफी बदल दी। देश की हर मेट्रों सिटी, देश की राजधानियों में घुसपैठियों की संख्या असंख्य है। पश्चिम बंगाल में अनुमानतः 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी हैं। असम के 33 जिलों में से 9 बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी,गोलपारा और लाकांडी में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक आंकी गई है। यहॉ कि 45 विधानसभा सीट पूरी तरह से मुस्लिम वोटरों के कब्जे में है, जिनमें अधिकतर बांग्लादेश से पलायन कर असम पहुंचे हैं। पिछले चार दशकों में बिहार के सीमांचल के चार जिले किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित तौर से बढ़ी है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में कई ऐसे बांग्लादेशियों की पहचान की गई, जो मेडिकल और टूरिस्ट वीजा पर भारत आए, फिर यहीं रह गए। त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में बिचौलियों की भरमार है, जो बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से बसाने और उनके लिए फर्जी डॉक्युमेंट बनाते हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश से लगने वाले 2272 किलोमीटर लंबे बॉर्डर में कई लूप होल हैं। पश्चिम बंगाल का मालदा, दिनेशपुर, छपली नवबादगंज, मुर्शिदाबाद और 24-परगना घुसपैठ के लिए बदनाम है। इसके अलावा हुगली नदी और जंगल के रास्ते से घुसपैठ होती है। यानि इतना तो तय है कि इस घुसपैठ की अनदेखी कर अब तक देश की जनता और देश की सुरक्षा को लेकर लम्बा खिड़वाड़ किया गया। अब अगर एसआईआर के माध्यम से देश की सुरक्षा और देश की जनता के हक को बचाने का प्रयास शुरू हो चुका है तो इसका विरोध किस हद तक जायज है यह तो इसका विरोध करने वालों को बताना ही होगा।

संविधान: लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

संविधान दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ? भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया।

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मर्यादा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी। भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया। भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं। इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मर्यादा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है। संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था- संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा। उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि संविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है। उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि संविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है। उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे 'संविधान के प्रति कर्तव्य पालन' अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए। संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है। संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा। संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण। इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

आयुक्त ने एसआईआर कार्य एवं स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सोमवार को आयुक्त अजीत कुमार द्वारा तहसील सदर, बाँदा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य हेतु स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर 20 ऑपरेटर डिजिटाइजेशन कार्य में संलग्न पाए गए। वर्तमान में 19.11 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण किया जा चुका है। आयुक्त ने उपजिलाधिकारी, बाँदा सदर को निर्देशित करते हुए कहा कि बीएलओ स्तर पर कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है, जिस पर तत्काल सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बीएलओ के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए तथा तहसील स्तर पर पर्याप्त मानव संसाधन की तैनाती कर निर्धारित समयावधि में कार्य को पूर्ण कराया जाए।आयुक्त द्वारा जनपद हमीरपुर की तहसील राठ स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया, जहाँ 13 कर्मचारी डिजिटाइजेशन कार्य करते हुए पाए गए। वर्तमान तक यहाँ 29.35 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य संपन्न हो चुका है। आयुक्त ने फार्म डिजिटाइजेशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो बीएलओ देवरिषि शर्मा (भाग संख्या 263) प्रगति 66ः एवं महेश कुमार (भाग संख्या 297) प्रगति 61 प्रतिशत की सराहना की। साथ ही मौके पर उपस्थित उपजिलाधिकारी, राठ को भी उनके कुशल पर्यवेक्षण हेतु प्रशंसा प्रदान की। निरीक्षण के क्रम में आयुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, राठ का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सभी चिकित्सक समय से उपस्थित पाए गए तथा केन्द्र में साफ-सफाई, पेयजल, दवाओं की उपलब्धता तथा सीसीटीवी संचालन की स्थिति संतोषजनक पाई गई। मरीजों द्वारा अवगत कराया गया कि केन्द्र पर शव वाहन उपलब्ध नहीं है। इस पर आयुक्त ने केन्द्र प्रभारी को शव वाहन की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी ठंड से बचाव हेतु पूर्व तैयारी एवं आवश्यक सुविधाओं की निरंतर सुचारु स्थिति बनाए रखने के निर्देश भी प्रदान किए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा के अनुरूप विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक स्तर पर कार्य की वास्तविक प्रगति का आकलन कर उसे सुदृढ़ बनाना है, ताकि जनता को सटीक एवं विश्वसनीय चुनाव संबंधी सुविधाएँ समय पर उपलब्ध हों। आयुक्त ने यह भी कहा कि उनकी इस पहल का मकसद प्रशासनिक तंत्र में उत्साह, अनुशासन तथा कार्यप्रणाली में तीव्रता लाना है, जिससे पूरे मण्डल में ैप् कार्य सुचारु एवं प्रभावी ढंग से पूरा हो सके।

डीएम ने आयुष्मान गोल्डन कार्ड के संबंध में की बैठक

बांदा। जिलाधिकारी जे.रीभा के निर्देशन में कलेक्टेझ्रट सभागार में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि 70 आयु वर्ष के छूटे हुए लोगों तथा अन्त्योदय कार्ड धारक जिनके यूनिट छः हों व अन्य अन्य लाभार्थियों के प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजन के अन्तर्गत एक माह का विशेष अभियान 25 नवम्बर से 25 दिसम्बर, 2025 में बनाये जायेंगे। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि माइक्रोप्लान के अनुसार कार्ड बनाने का कार्य करें और उन्होंने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्ड बनाने हेतु कैम्प लगाये जायेंगे। उन्होंने अस्पताल के पंजीकरण काउन्टरों में भी गोल्डन कार्ड बनाये जाने की सूचना का प्रचार-प्रसार कर लोगों को अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि जिन श्रमिक लाभार्थियों के ई-श्रमिक कार्ड बने हुए हैं उनके भी आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे।

सिमौनी धाम में होने वाले तीन दिवसीय मेले का डीएम एसपी ने लिया जायजा

- मेले में सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अगले माह में होने वाले तीन दिवसीय मेले को लेकर जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मेले में होने वाली सम्पूर्ण व्यवस्थाओं को लेकर निरिक्षण किया और सभी कोम सख्त निर्देश दिए की मेले में किसी भी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए। जिसको लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी जे ध रीभा एवं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने आज आगामी 15 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले सिमौनी धाम मोनीबाबा मेले के आयोजन किए जाने हेतु स्थलीय निरीक्षण एवं बैठक करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिएद्य उन्होंने मोनी धाम आश्रम से पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क चौड़ीकरण एवं पुलिया की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिएद्य जिलाधिकारी ने जमुआ- तिंदवारी सड़क का निर्माण कार्य तत्काल ठीक कराए जाने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिएद्यउन्होंने मेला स्थल में शौचालय ,टूरिज्म परिसर की व्यवस्था तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था कराए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिएद्य उन्होंने पेयजल हेतु पानी की टैंकरों की व्यवस्था किये जाने तथा झाड़ी की कटाई एवं मेला क्षेत्र/ परिसर की सफाई कराई जाने के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित कियाम विद्युत के नए खभो को लगाए जाने तथा स्ट्रीट लाइट एवं सोलर लाइटों को ठीक कराया जाने तथा मेला अवधि में नियमित विद्युत आपूर्ति किए जाने तथा मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था किए जाने के संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कियाद्य, उन्होंने पाइप पेयजल की लाइन पाइपलाइन ठीक कराए जाने के लिए जल निगम के अधिकारियों के निर्देशित किया मेला मैदान के संली कारण का कार्य किए जाने तथा मेला के आवागमन हेतु तिंदवारी एवं बबेरू मार्ग में रोडवेज की बस के संचालन किया जाने के निर्देश दिए।

आरएसएस के स्वयंसेवकों ने शताब्दी वर्ष पर भरवारी में संपर्क अभियान चलाकर जगायी हिंदुत्व की अलख

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। भरवारी कस्बे में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जिला प्रचारक शिव प्रसाद के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क स्थापित किया और संगठन की विचारधारा तथा 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा से अवगत कराया। इस दौरान जिला प्रचारक शिव प्रसाद ने वर्तमान परिवेश, चुनौतियों, संघ की भूमिका और समाज में अपेक्षित पांच प्रमुख परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से समाज के चिंतन हेतु पुस्तक का भी वितरण किया। जिला प्रचारक ने बताया कि यह पुस्तक व्यक्ति के अंतःकरण तक पहुंचे और उसके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाएं इसी उद्देश्य से जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर घर-घर संपर्क, हिंदू सम्मेलन, प्रमुख जनगोष्ठियां, सामाजिक सद्भाव संवाद और युवाओं के कार्यक्रम जैसे कई आयोजन किए जाएंगे। यह व्यापक संपर्क अभियान विजयादशमी उत्सव से ही प्रारंभ हो चुका है।जनसंपर्क कार्यक्रम में जिला प्रचारक शिव प्रसाद के साथ नगर बौद्ध प्रमुख सतीश तिवारी, कार्यालय प्रमुख ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, अशोक केसरवानी सहित अन्य स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

पुल से टकरायी अनियंत्रित बाइक, एक की मौत दूसरा घायल

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के पवारा गांव के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा में अनियंत्रित बाइक सरकारी ट्यूबवेल के पुल से टकरा गयी जिसमें एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गयी तथा बाइक पर बैठा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृतक की पहचान मीरापुर गांव निवासी रामलाल (50) पुत्र करण सिंह यादव के रूप में हुई है। वह अपने साथी विजय कुमार (40) पुत्र मखनचू के साथ मिक्सचर मशीन में काम करने के लिए लहंना गांव जा रहे थे। पवारा गांव के समीप पहुंचते ही उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पुल से टकरा गयी जिसमें रामलाल की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही करारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल विजय कुमार को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया तथा लिखापढ़ी कर रामलाल के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंटवा खदान का अवैध खनन का सच

अवैध खनन की रेलमपेल निर्धारित सीमा क्षेत्र से बाहर मौजा चकरेही में हो रहा अवैध खनन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के सारे आदेश और निर्देश जनपद की बागै नदी में संचालित इटवां खदान में पूरी तरह से धराशाही हो जाते हैं। इस खदान के संचालत की मनमानी सारे आदेशों और निर्देशों को धता बताते हुए लगातार जारी है। हद तो तब हो गयी जब बगै नदी पर संचालित इटवां खदान के वैध पट्टे की आड़ में इस खदान की मशीनों के द्वारा मौजा चकरेही में सीमा क्षेत्र से बाहर अवैध खनन के कार्य को अजाम दिया। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद दिनभर चर्चा का विषय बनी रही। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टालरेंस की नीति के तहत प्रदेश में अवैध खनन और अवैध परिवहन के साथ-साथ ओवरलोडिंग पर लगाम लगाने के अफसरों को साफ तौर पर कड़े निर्देश दिए थे।

जिसके बाद जनपद फतेहपुर में एसटीएफ की कार्यवाही और हमीरपुर में तक्कों पर कार्यवाही एक नजीर बन गयी ।लेकिन जनपद में बागै नदी में संचालित इटवां खदान में सारे नियम और कायदों को गुप्ता और यादव की जुगल जोड़ी ने अपने पैरों तले रौंद डाला। इटवां खदान के वैध पट्टे की आड़ में पूरी तरह से दिन ढलने के बाद अवैध खनन का काला खेल शुरू हो जाता है। जिसका वीडियों को सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियों में इटवां खदान के

- सीएम सहित एससी के आदेश साबित हो रहे बेअसर

वैध पट्टे में मौजा चकरेही में अवैध तरीके से नदी की जलधारा में भारी-भरकम मशीनों से अवैध खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। अवैध खनन के बाद ओवरलोड वाहनों में बालू को भरकर रात के अंधेरे में रवाना कर दिया । खनन कारोबारी के इस काले कारनामे की वजह से सरकार को प्रतिदिन लाखों रूपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं जब इस संबंध में खनिज अधिकारी से बात करने की कोशिश की गयी तो उन्होंने काल को रिसीव नहीं किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री के सभी अधकारियों को सख्त निर्देश हैं कि सीयूजी नंबर पर हर समय अधिकारी उपलब्ध रहेंगे। लेकिन खनिज अधिकारी पर मानो यह निर्देश लागू ही नहीं होते।

क्योंकि उनसे जब भी किसी भी खदान के बारे में जानकारी लेने के लिए कलमकार या स्थानीय किसानों द्वारा काल किया जाता है तो उनका सीयूजी नंबर रिसीव हीं नहीं होता। बताते चलें कि जनपद फतेहपुर में मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद खनन माफियाओं से जुड़े अधिकारियों को पर जिस तरह कार्यवाही की गयी थी। उससे कई लोगों को नसीहत मिल गयी ।लेकिन इटवां खदान के खनन कारोबारी को इस कार्यवाही का कोई भय नहीं है। तभी तो सीमा क्षेत्र से बाहर जाकर अवैध खनन कार्य को जमकर अंजाम दे रहा है। खदान सूत्रों की माने को संचालक को खुले तौर खनिज अधिकारी सहित जिम्मेदार अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। अब देखना यह है कि इस खदान पर कब एसटीएफ कार्यवाही करती है।

ड्यूटी से लापरवाह शिक्षक विद्यालय से नदारद बच्चों की शिक्षा बाधित अभिभावकों में आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। कस्बा के बडगइयां मोहल्ला हरिजन बस्ती प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक सुशील कृष्ण नाम देव विद्यालय में बच्चों को शिक्षा देने की ड्यूटी से लापरवाह शिक्षक के स्कूल से कई दिनों से नदारद रहने के कारण बच्चों की पढ़ाई का कार्य बाधित होने के कारण विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं के अभिभावकों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है ग्रामीणों ने स्कूल ना आने वाले लापरवाह शिक्षक की शिकायत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित खंड शिक्षा अधिकारी क मासिन को देने के बाद भी शिक्षक के विरुद्ध कार्यवाही न होने से स्थलीय जांच कर बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करने वाले शिक्षक को बर्खास्त करने की अपेक्षा जिला अधिकारी बांदा से की है м मामला कस्बा कमासिन के प्राथमिक विद्यालय हरिजन बस्ती का हैं इस विद्यालय में पंजीकृत 109 छात्र-छात्राओं को शिक्षा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानाध्यापक धीरेश गुप्ता सहायक शिक्षक रघुवंश मिश्रा सहायक शिक्षक सुशील कृष्ण नामदेव सहित शिक्षामित्र रमेश चंद्र शिक्षामित्र मानेश्वरी यादव को कार्य दायित्व सौंपा है ।शिक्षामित्र रमेश चंद्र और मानेश्वरी यादव का निर्वाचन बीएलओ ड्यूटी में होने से शिक्षण कार्य में केवल दो ही शिक्षक मौजूद रहते हैं।सहायक शिक्षक सुशील कृष्ण नामदेव अपने शिक्षण कार्य दायित्व के प्रति लापरवाही पूर्ण रवैया के कारण विद्यालय से नदारद रहने के आरोप लगाते हुए ग्रामीण अर्जुन द्विवेदी शालिकराम गर्ग सूरज कुमार संजय बडगइयां मिरचइया वर्मा राजेश वर्मा ने बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा सहित सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कमासिन को दूरभाष से लापरवाह शिक्षक के बारे में जानकारी देकर उत्तर प्रदेश सरकार की मंशानुरूप शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही की मांग की है।विद्यालय के शिक्षकों से भी उक्त शिक्षक के स्कूल से नदारत रहने की पुष्टि हुई है इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी ने लापरवाह शिक्षक की शिकायत मिलने पर यह स्वीकार किया कहा सुशील कृष्ण नामदेव जब भी विद्यालय आता है तो देर से आता है विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को डराने धमकाने की भी सूचना मिली है विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थित की जियो टैग फोटो मंगवाकर तुरंत कार्रवाई की जा रही है लापरवाह शिक्षक मोबाइल फोन भी स्विच आफ किया रहता है जिससे शिक्षक सुशील कृष्ण नामदेव से संपर्क नहीं हो पा रहा है। शिकायतों की जांच कर त्वरित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सफीपुर में दो सड़क हादसे, दो महिलाओं सहित तीन घायल

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी सफीपुर में भर्ती कराया गया, जहां हालत नाजुक होने के चलते दोनों महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पहली घटना इब्राहीमाबाद गांव की है। यहां की रामलली (40) पत्नी गंगासागर अपने पुत्र नीशम (18) के साथ बाइक से सकहन स्थित बैंक गई थीं। दोपहर में लौटते समय सकहन बैंक के पास परियर की ओर जा रही एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटा घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां रामलली की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।दूसरी दुर्घटना सुबह करीब 11 बजे हरदोईउन्नाव मार्ग पर माया पैलेस के पास हुई।

मिशन शक्ति के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान

- साइबर अपराधों के बारे में जानकारी देकर उससे बचने के उपायों आदि के बारे में किया गया जागरुक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना, सहायता सेवाओं आदि के बारे में जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है साथ ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में साइबर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज थाना कोतवाली नगर की मिशन शक्ति टीम व थाना जीआरपी बांदा की मिशन शक्ति टीम द्वारा रेलवे स्टेशन बांदा में महिलाओं/ बालिकाओं तथा मौजूद यात्रियों को जागरुक किया गया । इस दौरान महिलाओं/बालिकाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, सहायता सेवाओं, महिला अपराधों से सम्बन्धित विभिन्न कानूनों, हेल्पलाइन नम्बरों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । साथ ही वर्तमान में नवीनतम तरिके से होने वाले साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । जिसमें- केवाईसी अपडेट के नाम पर फर्जी कॉल्स या लिंक भेजकर उपयोगकर्ताओं से उनके निजी और बैंकिंग डिटेल्स मांगी जाती हैं ।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान पर दी विस्तृत जानकारी

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

- कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया संग हुई महत्वपूर्ण बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मीडिया बंधुओं के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (ट्त्र्ट) को लेकर विस्तृत प्रेस वार्ता की। उन्होंने जनपद में चल रहे अभियान की प्रगति, पारदर्शिता और सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान मतदाता पुनरीक्षण कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने वाले बीएलओ–यतीन्द्र यादव (बूथ संख्या 303, विधानसभा बांगरमऊ) तथा अनुभा बाजपेयी (बूथ संख्या 107, विधानसभा सदर)–को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि दोनों बीएलओ ने ईमानदारी, परिश्रम और प्रतिबद्धता के साथ कार्य पूर्ण कर मिसाल पेश की है।

एक जगह एक ही वोट, निकटतम मतदान केंद्र चुनने की सुविधा

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि अब एक मतदाता का नाम एक समय में केवल एक ही स्थान पर दर्ज होगा। हर मतदाता अपने लिए निकटतम मतदान केंद्र चुन सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जल्द से जल्द संबंधित फॉर्म भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराएं ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो सके। उन्होंने बताया कि मतदाता अपना नाम ऑनलाइन भी खोज सकते हैं। ऑनलाइन फॉर्म भरते समय ओटीपी किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। मतदाता voters.eci.gov.in अथवा यूपी सीईओ पोर्टल पर सीधे फॉर्म भर सकते हैं।

कलेक्ट्रेट व तहसीलों में हेल्पिंग बूथ स्थापित

जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए कलेक्ट्रेट सहित जिले की सभी तहसीलों में हेल्पिंग बूथ स्थापित किए गए हैं। यहां ट्त्र्ट सर्वे से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान और जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि किसी भी स्तर पर दिक्कत आने पर हेल्प डेस्क पर तैनात अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मदद करेंगे।

8.12 लाख फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा, यूपी में ट्त्र्ट मैपिंग में उन्नाव प्रथम

डीएम ने बताया कि उन्नाव जिले ने ट्त्र्ट मैपिंग कार्य में पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। अब तक 8 लाख 12 हजार मतदाताओं के फॉर्म संग्रहित कर ऑनलाइन डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि फॉर्म भरते समय सिर्फ चार जानकारियाँ–स्वयं का नाम, माता-पिता का नाम और पता–अनिवार्य हैं। भाग संख्या या नाम के आधार पर मतदाता सूची में अपना नाम ऑनलाइन खोजा जा सकता है। 9 दिसंबर को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जिसमें सभी पात्र मतदाताओं के नाम सम्मिलित होंगे।

जन्मतिथि के लिए अतिरिक्त दस्तावेज नहीं, उम्र के अनुसार नियम तय

जिलाधिकारी ने बताया कि मैपिंग के लिए किसी अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं होगी। जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए निर्धारित 12 दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत किया जा सकता है। 1987 से पहले जन्मे मतदाताओं को कोई प्रूफ देने की आवश्यकता नहीं। 1987 से 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को कोई एक प्रमाणित दस्तावेज देना होगा। 2004 के बाद जन्मे मतदाताओं को माता-पिता में से किसी एक का प्रूफ देना होगा। यदि किसी व्यक्ति का नाम गलत तरीके से जुड़ गया है, वह मृत है, अन्य स्थान पर शिफ्ट हो गया है, नाम या पते में त्रुटि है–तो संबंधित फॉर्म भरकर बीएलओ को दिया जा सकता है। यह प्रक्रिया कभी भी की जा सकती है।

अधिकारियों और मीडिया बंधुओं की उपस्थिति रही बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीएम ने एसआईआर को लेकर विस्तृत जानकारी साझा कर की प्रेस कॉन्फ्रेंस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। एसआईआर सर्वे को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पन्नालाल सभागार में प्रेस वार्ता कर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आमजन की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए कलेक्ट्रेट सहित जिले की सभी तहसीलों में हेल्पिंग बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां नागरिक एसआईआर सर्वे से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डीएम गौरांग राठी ने बताया कि सर्वे प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। नागरिक निर्धारित वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आसानी से SIR फॉर्म भर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एकमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-खण्ड-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PrU-LKO-BSB-WRL-105-24-1 (Pay and Use-Lounges/Waiting/Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	24.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2061/25

सामूहिक विवाह बना अविस्मरणीय समारोह

खीरी में 481 जोड़ों ने लिए सात फ़ेरे और पढ़ा निकाह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में मंगलवार को खुशियों का अनोखा समागम देखने को मिला। डीएस कॉलेज ग्राउंड में 391 और निघासन के वरदान पैलेस में 90, कुल 481 जोड़ों का विवाह एवं निकाह संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम में शहनाइयों की गूंज और नवविवाहितों के मुस्कुराते चेहरे माहौल को भावनाओं और उल्लास से भर रहे थे। मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक योगेश वर्मा, विधायक मंजू त्यागी, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे व ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का पारंपरिक पगड़ी पहनकर मंच पर पहुंचना आकर्षण का केंद्र रहा। सभी गणमान्यों ने जोड़ों के बीच जाकर बातचीत की, उनके नाम पूछे, आशीर्वाद दिया और सरकार की ओर से निर्धारित उपहार सामग्री प्रदान की। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने उपहार की गुणवत्ता और भोजन व्यवस्था का स्वयं निरीक्षण किया, जिसे संतोषजनक पाया गया।

गरीब परिवारों के लिए योजना वरदान : डीएम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कार्यक्रम को गरीब परिवारों की बेटियों के लिए ‟वरदान” बताया। उन्होंने कहा कि योजना के तहत ?60,000 की सहायता राशि सीधे कन्या के खाते में जमा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह ऐसा अवसर है जहां अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक साथ बड़ी संख्या में नवदंपतियों को आशीर्वाद देने पहुंचते हैं। डीएम ने सभी जोड़ों के सुखमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

दहेज कुरीति पर कड़ा प्रहार : विधायक योगेश वर्मा

विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना दहेज जैसी कुरीतियों पर निर्णायक प्रहार कर रही है। यह योजना गरीब परिवारों को सामाजिक और आर्थिक सहारा देने के साथ ही बाल विवाह जैसी बुराइयों को रोकने में भी सहायक है।

माताओं की चिंता दूर हुई : विधायक मंजू त्यागी

विधायक मंजू त्यागी ने कहा कि इस योजना ने उन माताओंऽपिताओं की चिंता खत्म कर दी है, जो आर्थिक तंगी के कारण बेटियों के विवाह को लेकर परेशान रहते थे। उन्होंने सरकार द्वारा महिलाओं की गरिमा बढ़ाने वाले प्रयासों की सराहना की।

उपहार सामग्री का आकर्षक डिस्प्ले

कार्यक्रम स्थल पर वरऽवधु को दी जाने वाली सामग्री का विशेष डिस्प्ले लगाया गया, जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित सामग्री के साथ जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए दो फोल्डिंग बेड और बर्तन स्टैंड भी शामिल थे। अतिथियों ने सामग्री की गुणवत्ता की सराहना की। सामूहिक विवाह के बाद विदाई की बेला आते ही परिजनों की आंखें नम हो उठीं।

दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी नाजिर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत निघासन पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी नाजिर पुत्र यूसुफ, निवासी ग्राम लालजीपुरवा मजरा अमेठी, थाना धौरहरा को सोमवार को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। थाना निघासन में आरोपी के विरुद्ध मु.अ.सं. 324/2025, धारा 87/137(2)/65(1) बीएनएस तथा 3/4 पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत था। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी निघासन के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

गिरफ्तारी उपनिरीक्षक आदित्य कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम–कांस्टेबल राजकुमार और प्रभात सिंह द्वारा की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के बाद उससे पूछताछ की गई और विधिक औपचारिकताओं के उपरांत उसे न्यायालय भेज दिया गया।

कार और मोटरसाइकिल की आमने–सामने की जोरदार भिड़ंत में पति–पत्नी की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम क्षत्तीपुर निकट हाईवे 730 पर सोमवार शाम एक दर्दनाक हुए सड़क हादसा में महिला को चिकित्सको मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल महिला के पति की जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। घटना गोला-खुटार नेशनल हाईवे पर ग्राम छत्तीपुर के पास हुई, जहां एक कार और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर हो गई थी। मृतक महेश कुमार (45 वर्ष) और उनकी पत्नी मंजू देवी (42 वर्ष) परिवार में अपनी भतीजी की शादी समारोह में शामिल होने गोला साई मैरिज हाल जा रहे थे। जब वे गोला खुटार नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम छत्तीपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार लगभग 10 मीटर दूर जा गिरे और मंजू देवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक पति-पत्नी अपने पीछे दो बेटे प्रशांत (25 वर्ष) और अंकुल वर्मा (20 वर्ष) को अपने पीछे छोड़ गए हैं। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

कब्र में दफनाई गई युवती का शव 300 मीटर दूर नग्न अवस्था में पड़ा मिला

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के अंतर्गत सिकंदराबाद कस्बा स्थित कब्रिस्तान मे गंभीर बीमारी के चलते मृतक युति का कुछ दिन पूर्व दफनाया गया शव मंगलवार की सुबह कब्रिस्तान से 300 मीटर दूर खेत में नग्न अवस्था में पड़ा पाया गया। शव देखे जाने पर ग्रामीणों ने स्वजनों को सूचना दी, सूचना पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। जानकारी के मुताबिक सिकंदराबाद कस्बा निवासी एक शख्स की 16 वर्षीय लड़की की बीते शुक्रवार को मौत हो गई थी। परिजन के मुताबिक वह बीमार थी, बीमारी से उसकी मौत हो गई थी, घरवालों ने शुक्रवार को कस्बे के कब्रिस्तान में शव को दफन कर दिया था। स्वजनों के खोजने पर 300 मीटर की दूरी पर नग्न अवस्था में किशोरी का शव मिला। ग्रामीणों के मुताबिक शव पर कपड़े नहीं थे, जिससे शव के साथ अनहोनी होने की भी आशंका जताई जा रही है।

एसआईआर फार्म की प्रगति जांचने पहुंचे एसडीएम रत्नाकर मिश्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत एसआईआर फॉर्म भरने की प्रगति का जायज़ा लेने के लिए लखीमपुर ‟एसडीएम” रत्नाकर मिश्रा ने तहसील सदर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय भल्लिया बुजुर्ग और प्राथमिक विद्यालय ढोंगवा बूथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएलओ अफसाना ने बताया कि भल्लिया बुजुर्ग से अब तक 315 मतदाताओं के फॉर्म जमा किए जा चुके हैं, जबकि दूसरी बीएलओ राजरानी ने 400 मतदाताओं के फॉर्म जमा होने की जानकारी दी। एसडीएम रत्नाकर मिश्रा ने कहा कि फॉर्म भरने में लोगों को कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिससे कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है, हालांकि बूथों पर कार्य संतोषजनक गति से चल रहा है।

मतदाता पुनरीक्षण पर कांग्रेस की प्रेस वार्ता, समय सीमा बढ़ाने की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल के भारत भूषण कॉलोनी स्थित कैंप कार्यालय में मंगलवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के लिए तय की गई समय सीमा अत्यंत कम है, जिससे बूथ लेवल अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों से शिकायतें मिल रही हैं कि मतदाताओं को फॉर्म समय से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं तथा भरे हुए फॉर्म की पावती भी नहीं दी जा रही है। उन्होंने मांग की कि पुनरीक्षण की समय सीमा बढ़ाई जाए और बीएलओ को पर्याप्त साधन-संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, जिससे कार्य सुचारू रूप से चल सके।

असंगठित मजदूर मोर्चा ने किया शिवहद में जन जागरुकता अभियान का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। ग्राम पंचायत शिवहद ब्लॉक महुआ में असंगठित मजदूर मोर्चा के तत्वाधान में जन जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया।अभियान के अंतर्गत बाल मजदूरी, बाल विवाह, बाल तस्करी, बचपन बचाओ आंदोलन, स्वास्थ्य शिक्षा, और जीरो पवर्टी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को श्रम विभाग से अपना रजिस्ट्रेशन कराने और इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, श्रम विभाग की सुमंगला मुख्यमंत्री आश्रित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की समस्याओं पर भी चर्चा हुई, जिनमें राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, और आवास आदि शामिल थे।इस कार्यक्रम का नेतृत्व असंगठित मजदूर मोर्चा के जिला अध्यक्ष ज्ञानेश्वर प्रसाद जी ने किया, जिनका मोबाइल नंबर 7408857516 है। इस अवसर पर मोर्चा के जिला महामंत्री भगवती प्रसाद नामदेव, जिला संयोजक मंत्री शिवकुमार विमल, और अन्य ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

आयोजित की गई दिव्यांग बच्चों की खेल कूद प्रतियोगिता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली में तहसील स्तरीय दिव्यांग बच्चों की खेल कूद की प्रतियोगिता का आयोजन नवीन तहसील परिसर के प्रांगण में खंड शिक्षा अधिकारी भगवान राव के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू एवं विशिष्ट अतिथि दिनेश कुमार मास्टर की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के दिव्यांग बच्चों ने जलेबी दौड़ में आसमी मितौली से प्रथम स्थान, कैकसा बेहजम से द्वितीय स्थान, पूर्णिमा देवी पसगवां से तृतीय स्थान पर इसी क्रम में कुर्सी दौड़ में शोभित प्रथम स्थान मितौली से, परशुराम बेहजम से द्वितीय , देवेंद्र तृतीय स्थान पर पसगवां, 100 मीटर की दौड़ में बालिका वर्ग में अलफिजा प्रथम स्थान, कुरेशा द्वितीय स्थान, रूबी तृतीय स्थान पर ,100 मीटर बालक दौड़ मोहम्मद साहिल प्रथम स्थान, दिलशाद द्वितीय स्थान, देवेंद्र तीसरे स्थान पर रहा रस्साकसी प्रतियोगिता में मितौली प्रथम स्थान एवं पसगवां बेहजम द्वितीय स्थान बेसिक शिक्षा विभाग के दिव्यांग बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया खेल शिक्षक प्रशांत पांडेय, खेल अनुदेशक मुनेश कुमार, विशेष शिक्षक अनिल कुमार, रामनिवास वर्मा, अरविंद कुमार, मुकेश चौधरी, प्रीति सिंह के साथ, साथ शिवराम राठौर, विमल वर्मा, सलीम अहमद, सुनील कुमार, महेश कुमार, सुधीर कुमार वर्मा, परमानंद यादव, वीरेंद्र कुमार, कुलदीप यादव, जमाल अहमद, राजेश पांडेय, राजेश गुप्ता, अनुपम अवस्थी, माया सिंह, श्वेता मिश्रा, नीलम सिंह, आरती कनौजिया, उपासना आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

संक्षिप्त समाचार

गूगल प्रतिनिधि बनकर 46 हज़ार की ऑनलाइन ठगी, पीड़ित ने कराई एफआईआर

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम उदयपुर निवासी संदीप कुमार ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए। पीड़ित ने अज्ञात नंबर से आए फोन पर कॉलर के गूगल कंपनी का प्रतिनिधि होने का झांसा देने और ऑफर के नाम पर लिंक भेजकर बैंक खाते से ?46,706 निकाल लेने का आरोप लगाया है। संदीप ने बताया कि लिंक ओके करते ही उनके एसबीआई खाते से रकम कट गई, जिसके बाद ठगी का पता चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

स्कूली वाहन पलटने से छात्रा गंभीर रूप से घायल, चालक पर लापरवाही का केस दर्ज

गोला गोकर्णनाथ खीरी। एक माह पूर्व हुए स्कूली वाहन हादसे को लेकर पीड़ित परिजनों ने चालक सरोज कुमार और पिकअप वाहन के विरुद्ध लापरवाही का मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम झाऊपुर निवासी अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि उसका 9 वर्षीय पुत्र कमल मोहन और 8 वर्षीय पुत्री आराध्या इंडियन चिल्ड्रेन्स एकेडमी स्कूल के वाहन से घर लौट रहे थे। तभी गोलाऽशाहजहांपुर स्टेट हाइवे पर झारा के पास पिकअप वाहन अचानक पलट गया। हादसे में आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसका जबड़ा व हाथ टूट गया था और वह वर्तमान में लखनऊ स्थित अस्पताल में भर्ती है। घटना की तहरीर पर पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहम्मदी पुलिस ने वांछित आरोपी जगमोहन को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत मोहम्मदी पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। थाना मोहम्मदी में पंजीकृत मुकदमे मु.अ.सं. 307/2025, धारा 137(2)/87 बीएनएस में वांछित चल रहा आरोपी जगमोहन पुत्र रामरूप, निवासी ग्राम लालपुर, थाना अरवल, जनपद हरदोई को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदी की टीम द्वारा की गई। आरोपी को पकड़ने वाली टीम में उपनिरीक्षक मेराज अहमद, कांस्टेबल बृजेश कुमार तथा कांस्टेबल सुरेंद्र गोस्वामी शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद आवश्यक विधिक कार्यवाही पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बांदा प्रेस ट्रस्ट के तत्वाधान में पत्रकार आयोग की मांग तेज

बांदा। बांदा प्रेस ट्रस्ट के तत्वाधान में पत्रकारों के हितों और सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए आयुक्त के माध्यम से सरकार को विस्तृत ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार आयोग के गठन की माँग तेज कर दी गई है। इसके साथ ही भारतीय प्रेस परिषद की शक्तियाँ असीमित करने और देशभर में क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना करने की भी पुरज़ोर मांग उठाई गई, ताकि पत्रकार सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रक्रिया तेज व प्रभावी हो सके।ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि पत्रकारों के खिलाफ़ दुर्भावना से प्रेरित फ़र्जी मुकदमे दर्ज कराने वालों तथा साजिश रचने वालों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे मामलों में शामिल अधिकारीदृकर्मचारी का वेतन भी तत्काल रोका जाए और दोष सिद्ध होने पर जेल भेजने तक की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी पत्रकारों के विरुद्ध दुरुपयोग या उत्पीड़न का हौसला न कर सके। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी ज्ञापन देने के दौरान ट्रस्ट के सह सचिव नवीन मिश्रा, जिलाध्यक्ष रमाकांत तिवारी, संगठन प्रमुख अनिल सिंह गौतम, महासचिव अंशू गुप्ता, मीडिया प्रभारी ललित विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष अविनाश दीक्षित, जितेंद्र सिंह, दिलीप द्विवेदी, कोषाध्यक्ष पंकज शुक्ला,राहुल द्विवेदी, सचिव निर्मल शुक्ला,सुशील मिश्रा,संगीता, सनम खान सहित करीब दो दर्जन पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2025 में खीरी के बीएलओज़ ने रच दिया कमाल

मात्र 20 दिनों में कर दिखाया शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का ‘अविश्वसनीय’ लक्ष्य पूरा

- कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया सम्मानित, विधानसभा स्तर पर भी हुए सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2025 के तहत लखीमपुर खीरी ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने उन बीएलओज़ को सम्मानित किया, जिन्होंने मात्र 20 दिनों के भीतर गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर दिया। 142-लखीमपुर, 140-श्रीनगर और 139-गोला विधानसभा क्षेत्रों की बीएलओ रंजना, पूनम, अल्का, पवन, मनीषा और तौहीद बेग ने निर्धारित अवधि से पहले ही पूरा लक्ष्य हासिल कर जिले को प्रदेश में एक मजबूत उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। इसी क्रम में डीएम के निर्देश पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया।जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2025 के अंतर्गत लखीमपुर खीरी जिले के बीएलओज़ ने अत्यंत कम समय में प्रशंसनीय कार्य किया है। मात्र 20 दिनों में गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा करना पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। सभी बीएलओ ने समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के साथ कार्य कर निर्वाचन प्रक्रिया को गति प्रदान की है।

नवाचार की नई मिसाल : तौहीद बेग का ‘नजरी नक्शा’ हुआ चर्चा का केंद्र

गोला विधानसभा के बीएलओ तौहीद बेग ने अपने बूथ पर नवाचार की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्य तो रिकॉर्ड समय में पूरा किया ही, साथ ही अपने पूरे बूथ क्षेत्र के प्रत्येक घर का नजरी नक्शा तैयार कर बूथ की भौगोलिक सटीकता को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने इस नवाचार को ‟उत्कृष्ट कार्य–काबिले तारीफ” बताते हुए तौहीद बेग को विशेष शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधानसभा क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट बीएलओ सम्मानित

143-कस्ता विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 85 के बीएलओ विनोद कुमार को सर्वप्रथम ‟ट्रैक” कार्य पूर्ण करने पर ईआरओ मधुसूदन गुप्ता ने सम्मानित किया। समय से पहले कार्य पूरा करने पर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।144-मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र में बीएलओज़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बूथ संख्या 147 के भानु प्रताप सिंह, 157 की रेखा रानी और 188 की नीरजा सिंह ने गणना प्रपत्र वितरण व फीडिंग कार्य 10 दिन पूर्व ही पूरा किया। बेहतरीन कार्य पर उपजिलाधिकारी मोहम्मदी ने तीनों बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निघासन विधानसभा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला। यहाँ बीएलओ अरविंद श्रीवास्तव और असगरी बेगम को गणना प्रपत्र वितरण व फीडिंग कार्य शत-प्रतिशत समय से पहले पूर्ण करने पर ईआरओ/एसडीएम राजीव निगम ने सम्मानित किया।

भारत सीरीज गंवाने और क्लीन स्वीप झेलने के संकट में

एजेंसी

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी चौथे दिन मंगलवार को पांच विकेट पर 260 रन पर घोषित कर भारत के सामने जीत के लिए 549 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रखा जिसका पीछा करते हुए भारत ने स्टंप्स तक तक दो विकेट पर 27 रन बना लिए हैं। भारत अभी लक्ष्य से 522 रन पीछे है। भारत की दूसरी पारी में खराब शुरुआत हुई और उसके दोनों ओपनर 21 रन तक पवेलियन लौट गए। पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन ने यशस्वी जायसवाल को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया जबकि स्पिनर साइमन हार्मर ने केएल राहुल को बोल्ड किया। जायसवाल ने 13 और राहुल ने छह रन बनाये। स्टंप्स के समय साई सुदर्शन दो और नाईट वॉचमैन कुलदीप यादव चार रन बनाकर क्रीज पर थे। दक्षिण अफ्रीका इस मैच में जीत से मात्र आठ विकेट ही दूर है। वहीं भारत की सलामी जोड़ी

पवेलियन लौट चुकी है। कल भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे ओवर खेलने की होगी और इसके लिए भारतीय बल्लेबाज़ों को बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अब मैच का नतीजा निकलेगा या नहीं निकलेगा यह तो कल पता चलेगा लेकिन अब तक की कहानी यही है कि दक्षिण अफ्रीका ने भारत को चारों खाने चित्त कर दिया है। खेल के आखिरी हिस्से में भारत के दो विकेट गिरे, जायसवाल और केएल राहुल के। मैच में अभी तीन सेशन बाकी हैं, दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए आठ विकेट चाहिए, जबकि इंडिया को 522 रन का बड़ा टारगेट चाहिए - जो असल में पहुंच से बहुत दूर है। इंडिया की जीत की उम्मीद नहीं है, लेकिन अगर वे अपना धैर्य बनाए रखते हैं और पॉजिटिव इरादा दिखाते हैं, तो वे अभी भी ड्रॉ कराने की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की टैक्टिक्स ने कुछ लोगों को हैरान कर दिया। डिक्लेरेशन में देरी करके और बहुत ज़्यादा सावधानी बरतकर, उन्होंने बचे हुए इंडियन विकेट लेने के लिए कुछ कीमती ओवर गंवा दिए। एक ऐसे मैच में जिसमें बड़े एक्शन की जरूरत थी, इनिंग्स के आखिर में उनकी सुस्त बैटिंग ने डिक्लेरेशन को और भी हैरान कर दिया, एक ऐसा ऑप्शन जो इंडिया को बचने का रास्ता दे सकता है। उम्मीद है कि स्पिनर्स दूसे दिन स्क्रिप्ट बनाएंगे। महाराज, हार्मर और मुथुसामी के साथ, साथ ही मार्करम भी मदद के लिए मौजूद हैं, प्रोटियाज के पास खराब पिच का फायदा उठाने के लिए ऑप्शन की कोई कमी नहीं है। और फिर मार्को यानसन हैं - शायद इस टेस्ट के सबसे अच्छे परफॉर्मर। उन्होंने पहली इनिंग में जरूरी रन बनाए, और उनकी तेज शॉर्ट-बॉल की बौछार ने तीसरे दिन इंडिया के बैट्समैन को परेशान कर दिया। दक्षिण अफ्रीका उनसे उम्मीद करेगा कि वे आखिरी दिन भी वही जोश दिखाएंगे। यह सिर्फ दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा का टारगेट दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 543 रन का टारगेट दिया था। वह मैच वे 342 रन से हार गए थे, जो रनों के हिसाब से उनकी सबसे बड़ी हार है। दक्षिण अफ्रीका ने कल के बिना कोई विकेट खोये 26 रन से आगे खेलना शुरू किया और पांच विकेट पर 260 रन पर अपनी पारी घोषित की। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल थी। मेहमान टीम की दूसरी पारी में ट्रिस्टन स्टब्स ने 180 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 94 रन बनाये। स्टब्स को लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने बोल्ड किया। जडेजा दूसरी पारी में 62 रन पर चार विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। रायन रिकलटन ने 35, एडन मारक्रम ने 29, टोनी डीजॉर्जी ने 49 और वियान मुल्डर ने नाबाद 35 रन बनाये। जडेजा के चार विकेट के अलावा वाशिंगटन सुंदर ने 67 रन पर एक विकेट मिला।

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी : हार्दिक की वापसी, आईपीएल नीलामी से पहले घरेलू खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

एजेंसी

हैदराबाद। चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे। हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी20 श्रृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन

के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा ,'' वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिये अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आयेंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिये नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।वह भी अच्छा प्रदर्शन करके वापसी का दावा ठोकना चाहेंगे। नीतीश राणा दिल्ली की कप्तानी करेंगे। असम के कप्तान रियान पराग और मध्यप्रदेश के वेंकटेश अय्यर की नजरें भी बेहतर प्रदर्शन पर होंगी। अय्यर को 23 . 75 करोड़ रूपये में खरीदने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया है।

दीप्ति, गौड़, चरणी को डब्ल्यूपीएल नीलामी में मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद

एजेंसी

नयी दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था। अगर क्रांति और चरणी जैसी युवा खिलाड़ी धनराशि के मामले में दीप्ति की बराबरी कर ले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। इन दोनों ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करके प्रभावित किया था। हरलीन देओल, रेणुका सिंह और स्नेह राणा भी नीलामी का हिस्सा हैं। जिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर दांव लगने के संभावना है उनमें ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग, वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, इंग्लैंड की प्रमुख स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन, न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, उनकी हमवतन अमेलिया केर और दक्षिण अफ्रीकी कप्तान वोलवार्ट शामिल हैं। सिर्फ एक खिलाड़ी को रिटेन करने के बाद यूपी वॉरियर्स के पास नीलामी में सबसे अधिक राशि (14.5 करोड़ रुपए) है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास सबसे कम राशि (5.70 करोड़) है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030: आम सभा में भारत की मेजबानी पर औपचारिक मुहर लगने की उम्मीद

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी अधिकार हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का ''तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता'' के आधार पर मूल्यांकन किया। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से जारी एक प्रेस नोट में कहा गया है,''आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अमदावाद (अहमदाबाद के रूप में भी जाना जाता है) में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने कहा, ''यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होगा तथा इसके 100 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा। भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जो शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपये से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा था कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव ''प्रेरक'' लगे, लेकिन आखिर में 2030 में होने वाले खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद को चुना गया। अहमदाबाद ने हाल के महीनों में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की। यह शहर अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप की मेजबानी करेगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

फीफा अंडर-17 विश्व कप में ब्राजील को हराकर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल, ऑस्ट्रिया से होगी खिताबी भिड़ंत

दोहा। फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप में इस बार एक नया चैंपियन मिलेगा। सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया ने इतिहास रचते हुए पहली बार फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने ब्राज़ील को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से हराया, जबकि ऑस्ट्रिया ने इटली को 2-0 से मात दी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में ऑस्ट्रिया का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जहां सीनियर पुरुष टीम ने 28 साल बाद फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, वहीं अब अंडर-17 टीम ने अपनी धमाकेदार लय बरकरार रखते हुए फाइनल में प्रवेश किया। टीम के स्टार स्ट्राइकर जोहान्स मोज़र ने दोनों गोल दागे। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर मोज़र (7 मैच में 8 गोल), ने 57वें मिनट में पहला गोल किया और इंजरी टाइम में शानदार फ्री-किक पर दूसरा गोल दागा। दूसरा सेमीफाइनल पुर्तगाल और ब्राज़ील के बीच बेहद टक्कर वाला रहा। पूरे मैच में सिर्फ चार शॉट टारगेट पर लगे और कुल 35 फाउल हुए। चार खिताब जीतकर टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड बनाने वाला ब्राज़ील शुरुआती बढ़त की तलाश में था। टीम के उभरते सितारे डेल ने गोल के कई प्रयास किए, लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर रोमारीओ कुन्हा ने उन्हें बार-बार रोका। पहले चार-पहले चार पेनल्टी दोनों टीमों ने सफलतापूर्वक बदलीं। पांचवीं पेनल्टी में पुर्तगाल के कुन्हा शॉट बार के ऊपर मार बैठे। ब्राज़ील के पास मैच जीतने का सुनहरा मौका था, लेकिन रुआन पाब्लो का शॉट पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद सातवीं पेनल्टी पर जोसे नेटो ने गोल किया और ब्राज़ील के एंजेलो कैंडिडो के मिस करते ही पुर्तगाल ने इतिहास रचते हुए पहली बार अंडर-17 विश्व कप फाइनल में जगह बना ली। फाइनल मुकाबला 27 नवंबर को दोहा के खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया के बीच खेला जाएगा। इसी दिन तीसरे स्थान के लिए ब्राज़ील और इटली के बीच मुकाबला एस्पायर अकादमी, दोहा में होगा।

भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय, 26 नवंबर को हो सकती है औपचारिक घोषणा

नई दिल्ली। भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलना लगभग तय माना जा रहा है। ग्लासगो में 26 नवंबर को होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली में भारत की बोली को औपचारिक मंजूरी मिलने की उम्मीद है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इस बार यह बहु-खेल आयोजन अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स बोर्ड ने भारतीय बोली की सिफारिश की थी, जिसे मूल्यांकन समिति ने तकनीकी तैयारी, खिलाड़ियों के अनुभव, आधारभूत ढांचे, सुशासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूपता के आधार पर परखा। 2030 संस्करण के लिए भारत का मुकाबला नाइजीरिया के अबुजा शहर से था, लेकिन संगठन ने अफ्रीकी राष्ट्र को 2034 संस्करण के लिए विचार करने का फैसला किया है, ताकि वहां की मेजबानी की तैयारियों को लंबी अवधि में समर्थन और गति दी जा सके। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के मुताबिक असेंबली के दौरान भारत की ओर से अहमदाबाद में होने वाले खेलों की विजन प्रस्तुति दी जाएगी। उसके बाद सदस्य देश मिलकर 2030 के सेंचुरी एडिशन के मेजबान पर अंतिम निर्णय लेंगे। इसके तुरंत बाद एक विशेष प्रसारण के जरिए औपचारिक घोषणा की जाएगी। भारत की ओर से इस बैठक में खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुनल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी.टी. उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी सहित कई प्रतिनिधि मौजूद हैं। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम करीब 6:30 बजे होने की उम्मीद है। हाल के महीनों में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप, एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 क्वालिफायर जैसे बड़े आयोजन सफलतापूर्वक कराए जा चुके हैं। अगले वर्ष यहां एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और एशिया पैरा-आर्चरी कप भी आयोजित होंगे।

टाटा मोटर्स को सिएरा के दम पर एसयूवी हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को उम्मीद है कि पुराने ब्रांड सिएरा को नए अवतार में पेश किए जाने से उसकी कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक पहुंच सकती है। कंपनी ने हाल ही में मध्यम आकार के एसयूवी खंड में अपने पुराने ब्रांड 'सिएरा' को कई वर्षों के बाद फिर से पेश किया है। इस वाहन खंड पर फिलहाल हुंदै क्रेटा, किआ सेल्टोस और मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा जैसे मॉडल का दबदबा है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यात्री वाहन उद्योग के स्तर पर एसयूवी की हिस्सेदारी 55-60 प्रतिशत के बीच स्थिर हो सकती है। जीएसटी दरों में कटौती के बाद गैर-एसयूवी खंड में सुधार की संभावनाएं हैं, हालांकि वृद्धि की गति नए मॉडल की संख्या पर निर्भर करेगी। सिएरा मॉडल की शुरुआती कीमत 11.49 लाख रुपये रखी गई है। यह दो पेट्रोल और एक डीजल इंजन विकल्प में उपलब्ध होगी। इसका इलेक्ट्रिक संस्करण भी अगले वित्त वर्ष में पेश किया जाएगा। चंद्रा ने कहा कि फिलहाल कंपनी की बिक्री में एसयूवी मॉडल की हिस्सेदारी 65-70 प्रतिशत है और नया मॉडल इसे आगे बढ़ाएगा। अक्टूबर में कंपनी की कुल खुदरा बिक्री 75,352 इकाइयों पर पहुंची, जो सालाना आधार पर 13.5 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद कॉम्पैक्ट और सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी की मांग तेजी से बढ़ी है और नेक्सॉन एवं पंच जैसे मॉडलों ने कंपनी को उल्लेखनीय बढ़त दिलाई है। सिएरा के लिए बुकिंग 16 दिसंबर से शुरू होगी और 15 जनवरी, 2026 से इसकी आपूर्ति भी शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद हैचबैक की बिक्री भी बढ़ी है, लेकिन एसयूवी अब भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की आखिरी तारीख है 30 नवंबर : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के योग्य एनपीएस कर्मचारियों और पहले रिटायर हो चुके लोगों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर तय की गई थी, लेकिन दो महीने की अतिरिक्त राहत दी गई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब जो कर्मचारी पुरानी एनपीएस को छोड़कर यूपीएस में आना चाहते हैं, उनके पास सिर्फ एक हफ्ता बचा ही है। अगर 30 नवंबर तक ऑप्शन नहीं चुना तो आप एनपीएस में ही रहेंगे। नोडल ऑफिस सभी रिक्वेस्ट को तय प्रोसेस के हिसाब से प्रोसेस करेंगे। यूपीएस के तहत मुख्य फायदों में स्विच ऑप्शन, टैक्स छूट, इस्तीफा और कम्पलसरी रिटायरमेंट बेनिफिट्स और भी बहुत कुछ शामिल हैं। एनपीएस के तहत

सेंट्रल गवर्नमेंट के सभी एलिजिबल एम्प्लॉई और पहले रिटायर हो चुके लोगों से कहा गया है कि वे इन बेनिफिट्स का फायदा उठाने के लिए अपनी यूपीएस रिक्वेस्ट समय पर जमा करें। उल्लेखनीय है कि यूपीएस चुनने के बाद कर्मचारियों को बाद में एनपीएस पर वापस जाने की सुविधा मिलती है, अगर वे चाहें तो इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। वित मंत्रालय ने इस साल जनवरी में एक अधिसूचना संख्या F. No. FX-1/3/2024-PR डेट 24 जनवरी, 2025 के जरिए योग्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए यूपीएस को अधिसूचित किया था।

वाणिज्य मंत्रालय निर्यात गुणवत्ता, तकनीकी अनुपालन बढ़ाने के लिए गैर-शुल्क उपायों का पता लगा रहा

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय वैश्विक बाजारों में निर्यात गुणवत्ता और तकनीकी अनुपालन को मजबूत करने के लिए अनिवार्य और स्वैच्छिक गैर-शुल्क उपायों का पता लगा रहा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने यह जानकारी दी। यह कवायद हाल ही में मंजूर निर्यात संवर्धन मिशन के तहत निर्यात गुणवत्ता और तकनीकी अनुपालन के लिए सहायता तैयार करने का हिस्सा है। एक बयान में कहा गया, ''विदेश व्यापार महानिदेशालय वैश्विक बाजारों में भारतीय निर्यात पर लागू अनिवार्य एवं स्वैच्छिक गैर-शुल्क उपायों (एनटीएम) का व्यापक रूप से पता लगा रहा है, जिसमें प्रमाणन, परीक्षण आवश्यकताएं, निरीक्षण, ऑडिट, लेबलिंग मानदंड और अन्य नियामक अनुपालन शर्तें शामिल हैं। सटीक और कारगर आंकड़े तैयार करने लिए निर्यातकों, निर्यात संवर्धन परिषदों, जिंस बोर्ड तथा उद्योग संघों से अनुरोध किया गया है कि वे संबंधित एनटीएम और प्रमाणन आवश्यकताओं की जानकारी उपलब्ध कराएं।

इंडिया रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

नयी दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के बयान के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है।

ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के उपायों पर चर्चा

नयी दिल्ली। बिजली मंत्रालय ने ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास में तेजी लाने को लेकर भारत ऊर्ज़ा 'स्टैक' पर एक कार्यबल की बैठक आयोजित की। मंत्रालय द्वारा गठित भारत ऊर्ज़ा 'स्टैक' (आईईएस) पर कार्यबल का उद्देश्य देश के ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए एक एकीकृत, सुरक्षित और अंतर-संचालनीय डिजिटल ढांचागत सुविधा का निर्माण करना है। आईईएस की नोडल एजेंसी, आरईसी ने कहा, ''बैठक का मुख्य उद्देश्य पहल के दो मुख्य आधारभूत तत्वों३ आईईएस रणनीति दस्तावेज (संस्करण 0.1) का मसौदा और आईईएस आर्किटेक्चर दस्तावेज (संस्करण 0.1) की सामूहिक समीक्षा और रणनीतिक चर्चा करना था।

जन-विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण से छोटे कारोबारियों को होगा फायदा : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिए छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने और मजदूरों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने आज नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही लगभग 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर

ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है। गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करके मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। उन्होंने व्यापारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरु तेग बहादुर के बलिदान को याद किया, जिनकी विरासत को लगभग 350 साल बाद याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके बताए आदर्शों पर चलने से देश को गर्व और सम्मान मिलेगा और देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि जिस विज़न के साथ गुरु तेग बहादुर ने देश को एकजुट किया, उसे याद रखना भारत की तरक्की को रास्ता दिखाता रहेगा। श्रम संहिता लागू करने पर उन्होंने कहा कि इसमें श्रमिकों के अनुकूल उपाय हैं, जैसे सभी के लिए समय पर न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा को शामिल किया गया है। इनमें विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों के लिए काम करने वाले अस्थायी कर्मी (गिग वर्कर) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि श्रम संहिता से कारोबार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने व्यापारियों को स्वदेशी प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। गोयल ने कहा कि सप्लायर्स को प्रोडक्ट पैकेजिंग पर मैन्युफैक्चरिंग की जगह साफ-साफ लिखनी चाहिए और सुझाव दिया कि दुकानें यह दिखा सकती हैं कि वे स्वदेशी सामान बेचते हैं। उन्होंने ़्रमेड इन इंडिया़ प्रोडक्ट्स की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वाराणसी: राम मंदिर ध्वजोत्सव पर नमामि गंगे ने किया हवन पूजन

■ आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए मांगा आशीर्वाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रभु श्री राम के विवाह के पुण्य अवसर सीताराम पंचमी पर मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर पर भगवा धर्म ध्वजारोहण से बाबा विश्वनाथ की नगरी में हर्ष का माहौल है।

नमामि गंगे ने महर्षि योगी वेद विज्ञान विद्यापीठ के वेदपाठी बटुकों के साथ पवित्र सिद्धेश्वरी परिसर में हवन पूजन कर भगवा धर्म ध्वजारोहण पर खुशी जताई। करोड़ों सनातनधर्मियों की आस्था, संघर्ष, कारसेवकों के बलिदान, न्याय और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गाथा लिख रहे संपूर्ण राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराने के अवसर पर संपूर्ण भारतवर्ष के लिए आत्मनिर्भर और विकसित भारत का आशीर्वाद महादेव से मांगा। इसके बाद सिद्धेश्वरी परिसर में उत्साह पूर्वक सभी ने भगवान श्री राम का गुणगान किया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने इस दौरान कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर सनातनी संस्कृति के पुनर्जागरण की वह कथा है, जिसने लगभग पांच दशकों तक देश की राजनीति, समाज और जनभावनाओं को प्रभावित किया। रामलला के नए मंदिर में विराजमान होने के साथ ही अयोध्या में ऐसा दृश्य बना, जिसे युगों की प्रतीक्षा के बाद पूरा हुआ स्वप्न कहा जा सकता है। वहां प्राण प्रतिष्ठा के भावुक पल ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह मंदिर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में रचे-बसे धर्म का पुनर्प्राणन है। मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज का आरोहण मंदिर की पूर्णता का संकेत ही नहीं, बल्कि वह घोषणा है कि सनातन धर्म की परंपराएं आज भी उतनी ही जीवित हैं जितनी रामायण के काल में थीं। आयोजन में महर्षि योगी वेद विज्ञान विद्यापीठ के वेदपाठी छात्रों ने पूरे उत्साह से भाग लिया।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर औरैया में प्रभातफ़ेरी, शबद-कीर्तन से गुंजायमान हुआ नगर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया शहर में गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर मंगलवार भोर चार बजे सिख समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शहर में भव्य प्रभातफ़ेरी निकालकर गुरु के अदम्य साहस, त्याग और धार्मिक स्वतंत्रता के संदेश को स्मरण किया। प्रभातफ़ेरी की शुरुआत गुरुद्वारा से हुई, जहाँ तड़के ही संगत एकत्र हुई और शबद-कीर्तन की मधुर धुनों के साथ नगर की गलियों और प्रमुख मार्गों पर आगे बढ़ी।

सिख समाज के लोगों ने गुरु तेग बहादुर के उस सर्वोच्च बलिदान को याद किया, जिसे धर्म, मानवता और अन्याय के विरुद्ध सत्य की रक्षा के लिए किया गया था। प्रभातफ़ेरी में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि गुरु तेग बहादुर का जीवन पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, जिसने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर मानवता का मार्ग प्रशस्त किया। प्रभातफ़ेरी मार्ग में जगह-जगह लोगों ने गुरु का जयघोष करते हुए संगत का स्वागत किया। कीर्तन के साथ आगे बढ़ती श्रद्धालुओं की टोली ने लोगों को गुरु के बताए सत, न्याय, समानता और मानवीय मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बना दिया। प्रभातफ़ेरी शहर के विभिन्न मार्गों से होकर पुनः गुरुद्वारा पहुँची, जहाँ गुरु वाणी का पाठ किया गया। पाठ के बाद संगत को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर धार्मिक नेताओं ने गुरु तेग बहादुर के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संदेश केवल किसी एक समाज के लिए नहीं, बल्कि समूचे मानव समुदाय के लिए मार्गदर्शन है। सिख समुदाय ने इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया कि धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार और सत्य की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर का बलिदान सदैव अमर रहेगा। प्रभातफ़ेरी में शामिल लोगों ने गुरु के सिद्धांतों पर चलने और समाज में शांति, भाईचारा और सहिष्णुता को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

विंध्यधाम को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपित प्रयागराज में पकड़ा गया

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले का विंध्याचल धाम सोमवार देर रात उस समय दहल उठा जब पुलिस कंट्रोल रूम को मां विंध्यवासिनी मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पूरे जिले की सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और देखते ही देखते मंदिर परिसर पुलिस, बम निरोधक दस्ता और सुरक्षा इकाइयों से भर गया। रात 12:15 बजे शुरू हुई तलाशी अभियान में मां विंध्यवासिनी मंदिर के साथ अष्टभुजा और कालीखोह मंदिरों की परिक्रमा पथ, प्रवेश द्वार से लेकर हर कोने की सघन जांच की गई। बम निरोधक टीम ने विशेष उपकरणों से खोजबीन की, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सभी समाजसेवी बुद्धिजीवी और युवा सहयोग करें: रविन्द्र जायसवाल

■ जिन लोगों को फार्म अभी न मिला हो, तो वे बीएलओ से सम्पर्क करें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान कार्यक्रम में सभी वर्ग से सहयोग की अपील की है। राज्यमंत्री ने सभी समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों, युवाओं, मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि कार्यक्रम के अंतर्गत अपना नाम प्रत्येक दशा में जुड़वाएं और किसी का नाम सूची में दर्ज होने से वंचित न रहने पाए। सभी लोग बीएलओ का सहयोग करें और जिन लोगों को फार्म अभी नहीं मिला हो, तो बीएलओ से सम्पर्क कर फार्म अवश्य प्राप्त कर लें और अपना नाम 30 नवम्बर तक अवश्य रजिस्टर्ड करा लें। जिला निर्वाचन अधिकारी-जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने मंडुवाडीह में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत चल रहे गणना प्रपत्रों के वितरण कार्य, उसकी वापसी एवं डिजिटाइजेशन के कार्यों का औचक निरीक्षण किया । उन्होंने सुपरवाइजर व बीएलओ से अद्यतन प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इस संबंध में उन्होंने आस–पास के लोगों से गणना प्रपत्र के मिलने और फॉर्म भरकर जमा करने आदि के बारे में पूछा और लोगों को जागरूक किया। उन्होंने लोगों से कहा कि यह अभियान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची तैयार करना है । एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। आप सभी मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 04 दिसम्बर निर्धारित की गई है।

प्रयागराज: मुठभेड़ में पच्चीस हजार का ईनामी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले की पुलिस टीम से हुई मुठभेड़ में सोमवार को पच्चीस हजार का ईनाम बदमाश गिरफतार किया गया है। मुठभेड़ के दौरान बदमाश एक पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस टीम ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने घायल बदमाश फतेहपुर जिले के खखरेरु थाना क्षेत्र के मोऊद्दीन का पूरा गांव निवासी मोनू पाल पुत्र देवमुनि पाल है। गिरफ्तार मोनू पाल के खिलाफ लूट, छिनैती समेत कुल 19 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फतेहपुर जिले के विभिन्न थानों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम ने इसके कब्जे से चोरी के 24 मोबाइल फोन, स्कूटी एक तमंचा , एक कारतूस , 2 खोखा कारतूस बरामद किया है। बरामदगी के मुताबिक थरवई में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है और न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया जाएगा। डीसीपी ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थरवई पुलिस टीम सोमवार रात सिंगरामऊ पुलिया स्थित अण्डरपास हॉइवे के पास रात्री चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग में जुटी हुई थी। इसी दौरान बिना नम्बर प्लेट के एक स्कूटी से एक संदिग्ध व्यक्ति जाता हुआ दिखाई दिया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

मानव तस्करी के मामले में सात दोषियों को आजीवन कारावास, दो महिलाएं भी शामिल

■ फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाया फैसला, प्रत्येक पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र में दर्ज मानव तस्करी के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) के न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाया। अदालत ने शाम को सात आरोपितों संतोष गुप्ता (मंडुवाडीह), मनीष जैन (जयपुर), महेश राणा (कोडरमा), मुकेश पंडित (हजारीबाग), महेश राणा (गिरिडीह), शिखा (शिवदासपुर) और सुनीता देवी (गिरिडीह) को मानव तस्करी सहित गंभीर धाराओं में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही सभी दोषियों पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने बीते शुक्रवार को ही आरोपितों का दोष सिद्ध कर दिया था । और सजा पर बहस के लिए 24 नवंबर की तिथि निर्धारित की थी। वहीं, इसी मामले में अपर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर नौ आरोपितों को दोषमुक्त कर दिया गया। अभियोजन के अनुसार सामने घाट, लंका निवासी संजय ने 16 मई 2023 को भेलूपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि वह अपनी पत्नी व चार वर्षीय बेटे के साथ रविंद्रपुरी कॉलोनी के पास सोए हुए थे। सुबह उनका बेटा लापता मिला। पुलिस जांच में शिवदासपुर के निवासी संतोष गुप्ता सीसीटीवी में बच्चे को ले जाते हुए दिखाई दिया। भेलूपुर पुलिस ने 21 मई को नवाबगंज स्थित कुड़ेखाने के पास से संतोष गुप्ता को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसके घर से बच्चे का बनियान बरामद हुआ। बाद में 23 मई को मंडुवाडीह रेलवे स्टेशन के पास से बच्चे को भी सकुशल बरामद कर लिया गया। जांच में मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश हुआ और अन्य आरोपितों की संलिप्तता मिलने पर उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से डीजीसी मुनीब सिंह चौहान, एडीजीसी मनोज कुमार गुप्ता और वादी के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण ने पैरवी की। वहीं, बचाव पक्ष दोषियों को रिहा कराने के लिए सबूतों पर सवाल उठाता रहा, लेकिन अदालत ने अभियोजन के तर्कों व प्रस्तुत साक्ष्यों को स्वीकार करते हुए सजा सुनाई।

अवैध पुरोहितों पर लगाम और ड्रेस कोड लागू करने पर सहमति

■ विंध्यवासिनी मंदिर में बेहतर व्यवस्था के लिए पंडा समाज की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। श्री विंध्य पंडा समाज की ओर से सोमवार देर शाम मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर परिसर स्थित कार्यालय में अध्यक्ष पंकज द्विवेदी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पारीवालों और कार्यकारिणी सदस्यों ने मंदिर में व्यवस्थाओं को और सुचारू बनाने के लिए कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की।

बैठक में पंडा समाज अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने कहा कि मंदिर में अवैध रूप से कार्य कर रहे पुरोहितों पर रोक लगाने के लिए उनकी हिस्सेदारी बंद की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और व्यवस्था बेहतर हो सके। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन-पूजन दिलाने के लिए पुरोहितों की ड्यूटी रोटेशन को व्यवस्थित करने पर सहमति बनी। धाम परिसर में भिक्षाटन कर रहे लोगों की वजह से उत्पन्न हो रही समस्याओं का भी मुद्दा उठा। पंडा समाज ने इस पर कठोर कार्रवाई करने और परिसर को भिक्षावृत्ति-मुक्त बनाने की मांग रखी। पुरोहितों के लिए ड्रेस कोड और आईडी कार्ड अनिवार्य करने का प्रस्ताव भी रखा गया, ताकि पहचान स्पष्ट हो सके और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। सभा में यह भी तय किया गया कि वीवीआईपी श्रद्धालुओं का स्वागत मंत्रोच्चार के साथ शिष्टाचारपूर्ण तरीके से किया जाए। इसके अलावा कॉरिडोर परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखने पर पुरोहित तुरंत पंडा समाज या प्रशासन को सूचित करेंगे, ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो। पंडा समाज अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने कहा कि सभी प्रस्तावों पर जल्द अमल शुरू किया जाएगा और देवी दरबार आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधा देने के लिए पंडा समाज प्रतिबद्ध है। बैठक में मंत्री भानु पाठक, पूर्व अध्यक्ष राजन पाठक, धर्मेंद्र पांडेय, मंदिर व्यवस्था प्रमुख गुंजन मिश्र, रतन मोहन मिश्रा, केदार भंडारी, शनि दत्त पाठक सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

बलिया शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई वैकल्पिक व्यवस्था के मूड में जिला प्रशासन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में नगर पालिका और जिला प्रशासन के बीच चल रही जिच के कारण जिला मुख्यालय स्थित शहर में कूड़े का निस्तारण बड़ी समस्या बन गया है। क्योंकि पावर सीज किए जाने का हवाला देकर नगर पालिकाध्यक्ष संत कुमार गुप्ता मिठाई लाल द्वारा सफाईकर्मियों के वेतन भुगतान से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर नहीं किए जाने से नगर की सफाई बाधित हो गई है। नपा के सफाई कर्मियों द्वारा बिना वेतन सफाई कार्य से विरत रहने के चलते लगातार कई दिनों से कूड़े का ढेर बने शहर की सफाई के लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। बावजूद कूड़े का समय से निस्तारण मुसीबत बना हुआ है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मंगलवार को प्रेस को जारी बयान में कहा कि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के पद की वित्तीय या प्रशासनिक अथवा किसी भी प्रकार की अध्यक्ष की शक्तियां शासन द्वारा कम नहीं की गई हैं। न ही नगर पालिका के कार्यों में किसी प्रकार की रोक है। सिर्फ ददरी मेला को कुशल, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से संपादित करने के लिए जिलाधिकारी को शासन ने निर्णय के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने कहा है कि नगर पालिका परिषद में सफाई व्यवस्था संबंधी जैसे वेतन भुगतान, सफाई कर्मचारी की तैनाती आदि कार्य करना नगर पालिका परिषद का दायित्व और कर्तव्य है। जिसके लिए नगर पालिका के अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी संयुक्त रूप से उत्तरदायी हैं। जबकि वर्तमान समय में नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं होने के कारण सफाई कार्य प्रभावित हुआ है। क्योंकि सफाई कर्मचारी सहित अन्य सभी कर्मचारियों का वेतन भुगतान अध्यक्ष नगर पालिका और अधिशासी अधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से होता है। अधिशासी अधिकारी ने सफाई कर्मी सहित सभी कर्मचारियों के वेतन और मानदेय भुगतान पर हस्ताक्षर कर दिया है, लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा वेतन पर हस्ताक्षर नहीं किया जा रहा है, जो जनहित में नहीं है। यह नगर पालिका एक्ट के नियमों के प्रतिकूल भी है। बकौल डीएम, नपाध्यक्ष ने सफाई कर्मियों के वेतन बिल पर हस्ताक्षर नहीं किए जाने का झूठा तथ्य प्रस्तुत किया जा रहा है कि शासन से अध्यक्ष नगर पालिका का हस्ताक्षर पावर सीज है और उच्च न्यायालय से रोक है। ये सभी तथ्य झूठे और भ्रामक खबर हैं। इस तरह से विधि के विरुद्ध गलत जानकारी की अफवाह फैलाई जा रही है। जबकि शासन से वेतन सहित नगर पालिका से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की रोक नहीं है और न ही उच्च न्यायालय से रोक है। डीएम के अनुसार, 24 नवंबर को विकास भवन सभागार में प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राजयसभा सांसद नीरज शेखर, एमएलसी रविशंकर सिंह उर्फ पप्पू सहित भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा बैठक में मौजूद थे। जिसमें नगरपालिका बलिया में कूड़ा निस्तारण न होने के कारण भयावह और गंभीर स्थिति होने के कारण लोकहित में कठोर निर्णय लिए जाने के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया। जिसके क्रम में जनपद की आउटसोर्स फर्म को तत्काल आउटसोर्स कर्मचारियों का भुगतान सुनिश्चित कराया गया। आउटसोर्स कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशासनिक सहयोग देते हुए सफाई व्यवस्था बेहतर किए जाने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। विकास खंड के सफाई कर्मचारी और अन्य निकाय के कर्मचारी भी आवश्यकतानुसार उपयोग किए जा रहे हैं।

बीझलपुर घाट यमुना नदी पर पंटून पुल निर्माण की उठी मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ ग्रामीणों ने कहा– पुल न बनने से 40 से 45 किमी का लगाना पड़ता है चक्कर

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बीझलपुर घाट पर यमुना नदी पर हर वर्ष बनाए जाने वाले अस्थायी पंटून पुल के निर्माण में इस बार देरी होने से ग्रामीणों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। यमुना नदी पर बने इस अस्थायी पुल के सहारे ही औरैया तथा जालौन जिले के बीच का संपर्क सुगम हो पाता है, लेकिन अब तक पुल निर्माण शुरू न होने के कारण स्थानीय लोग प्रशासन से जल्दी कार्य शुरू कराने की मांग कर रहे हैं। अयाना गांव के ग्राम प्रधान छोटे लाल गुप्ता ने बताया कि बीझलपुर घाट, ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए जालौन पहुंचने का सबसे छोटा मार्ग है। यदि पुल न बने तो लोगों को 40 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर जालौन जाना पड़ता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतें, रिश्तेदारियां और बाजार का आना-जाना इसी पुल पर निर्भर रहता है। बीझलपुर ग्राम प्रधान श्याम सिंह निषाद ने भी यही चिंता जताई। उनका कहना है कि जालौन जिले में अधिकांश लोगों के रिश्तेदार बसे हैं, लेकिन पुल के अभाव में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में भी लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जो बेहद मुश्किल होता है। कस्बा अयाना के दुकानदार दिनेश चंद्र ने कहा कि पंटून पुल बनने से अयाना बाजार में रौनक रहती है। यमुना नदी के उस पार बसे लोगों के लिए अयाना सबसे नजदीकी बाजार है, जहाँ वे आसानी से खरीदारी करने आते हैं। पुल न होने से बाजार की दैनिक गतिविधियों पर भी असर पड़ रहा है। धनाऊ गांव के पूर्व प्रधान जीतू सेंगर ने बताया कि पंटून पुल के बन जाने से दोनों जिलों के लोगों को बड़ी राहत मिलती है। किसानों, मजदूरों, व्यापारियों और छात्रों के लिए यह पुल जीवन रेखा जैसा है। अयाना के निवासी हर्षवर्धन सिंह सेंगर ने बताया कि यमुना नदी पार स्थित प्रसिद्ध जलौनी माता मंदिर में जिलेभर से लोग पूजा-अर्चना करने जाते हैं। लेकिन पुल न बनने से भक्तों को 45 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे दर्शन में भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बीझलपुर घाट पर पंटून पुल निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि आवागमन सुगम हो सके और लोगों को राहत मिल सके।